RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:185 ता. 18 जनवरी 2023, बुधवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पायलट के मंच से गहलोत पर खूब चले तीर, चुनाव से पहले कांग्रेस का बढ़ा पीर

जयपुर राजस्थान में विधानसभा चुनाव नजदीक आने के साथ कांग्रेस में खेमेबाजी बढ़ती नजर आ रही है। अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच 2018 विधानसभा चुनाव के बाद शुरू हुई खींचतान लगातार बढ़ रही है।

जयपुर। जयपुर राजस्थान में विधानसभा चुनाव नजदीक आने के साथ कांग्रेस में खेमेबाजी बढ़ती नजर आ रही है। अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच 2018 विधानसभा चुनाव के बाद शुरू हुई खींचतान इस साल होने जा रहे चुनाव में कांग्रेस के लिए टेंशन बढ़ा सकती है। एक तरफ जहां गहलोत पायलट को गद्दार बता चुके हैं तो दूसरी तरफ पूर्व उपमुख्यमंत्री भी इशारों में ही सही लेकिन सरकार पर सवाल उठा रहे हैं।

पायलट ने किसान सम्मेलन के नाम से अपने नए अभियान की शुरुआत की तो उनके मंच से गहलोत को खूब निशाने पर लिया गया। वैसे तो सचिन पायलट ने उत्साहित युवा समर्थकों के बीच भाजपा और मोदी सरकार पर जमकर प्रहार किया, लेकिन गहलोत सरकार की खामियों पर बोलने से भी खुद को रोक नहीं पाए। पेपर लीक मसले का जिक्र करते हुए पायलट ने युवाओं के 'दर्द' को सहलाया और सरकार को भी नसीहत दे डाली।

पायलट ने कहा, नौजवानों के भविष्य की चिंता हम सबको है। मैं सच बताता हूं जब मैं अखबार में देखता हूं कि हमारे प्रदेश में कभी पेपर ली क हो गए, कभी परीक्षा रद्द हो गई तो मन में पीड़ा होती है। गांव में एक नौजवान परीक्षा की तैयारी करता है, उसके परिवार को कितनी यातनाएं, कितनी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। कहां से वह किताबें लता है, दिन रात मेहनत करता है, विपरीत परिस्थितियों में तैयारी करता है। जब ऐसा प्रकरण होता है तो मन आहत होता है। मैं उम्मीद करता हूं कि आने वाले समय में छोटी-मोटी दलाली करने वाले की बजाय सरगना को पकड़ना चाहिए। इस देश का नौजवान को यदि मेहनत का फल नहीं मिलेगा, उसके विश्वास में कमी आ जाएगी तो यह हमारे समाज, प्रदेश और देश के लिए अच्छा नहीं है।%

पायलट ने याद दिलाई मेहनत

पायलट ने यह भी याद दिलाया कि किस तरह उन्होंने कांग्रेस को बुरे हालात से निकाला और सरकार में लाने में कामयाब रहे। पायलट ने कहा, %वसुंधरा जी की सरकार थी। 163 विधायक थे, कांग्रेस के महज 21 विधायक थे। प्रदेश कांग्रेस का मैं अध्यक्ष बना। मेरी कोशिश रही कि हम हर कार्यकर्ता तक पहुंच सकें। हर सीमा को लांघ सकें। लोगों के दिल से जुड़ सकें। किसी के खुशी में नहीं तो दुख की घड़ी में पहुंच सकूं। उन 5 सालों में हमने पदयात्राएं कीं, घेराव किया, धरना दिया, लाठियां खाईं, जेल गए। मुख्यमंत्री के क्षेत्र में किसान न्याय यात्रा निकाली थी। हमने आपके साथ संघर्ष किया, 11 महीने बाद दोबारा चुनाव आ रहा है। आप अपना प्यार पहले की तरह बरकरार रखना।

सचिन पायलट के समर्थक विधायकों ने अपनी ही सरकार पर जमकर निशाना साधा। इनमें सबसे आगे रहे गहलोत कैबिनेट के मंत्री हेमाराम चौधरी। उन्होंने खुलकर कहा कि प्रदेश में बिजली और किसानों की हालत ठीक नहीं है। उन्होंने अपनी उम्र का हवाला देकर इशारों में गहलोत को भी नसीहत दी और कहा कि युवाओं के लिए जगह छोड़ देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि खुद मौका नहीं दिया तो युवा अब धक्के मारकर कब्जा कर लेगा, लेकिन ऐसे में क्या शान रह जाएगी।

दिल्ली की ठंड कश्मीर को टक्कर दे रही!

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर की ठंड कश्मीर के मौसम को टक्कर दे रही है। सुबह के समय ठंड ने लोगों का हाल बेहाल किया हुआ है। सफदरजंग बेस स्टेशन पर मंगलवार सुबह 5.30 बजे न्यूनतम तापमान 4.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राष्ट्रीय राजधानी समेत उत्तर-पश्चिम भारत का बड़ा हिस्सा शीतलहर की गिरफ्त में आ गया है। आंकड़े बताते हैं कि 10 सालों में दूसरी बार जनवरी में इतनी ठंड पड़ी है। आज सुबह ठंड का प्रकोप और बढ़ेगा। अगले दो दिन न्यूनतम तापमान एक-दो डिग्री रहने की संभावना है। इसके बाद सर्दी से राजधानी को राहत मिल जाएगी। राहत की बात अभी बस यही है कि दिन के समय तेज धूप खिल रही है। इस वजह से सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक लोगों को सर्दी से राहत मिल जाती है। सोमवार को स्कूल खुल गए। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार सुबह न्यूनतम तापमान महज एक डिग्री तक सिमट सकता है। आसमान साफ रहेगा। हल्का कोहरा रह सकता है। 18 जनवरी को भी शीतलहर का प्रकोप रहेगा। 19 जनवरी से मौसम में सुधार हो जाएगा। उक्त दिन रात के समय बूंदाबांदी हो सकती है। 20 से 22 जनवरी तक घना कोहरा रहेगा। 17 और 18 जनवरी को शीतलहर की भविष्यवाणी की गई है। वहीं 17 से 22 जनवरी तक दिल्ली में येलो अलर्ट रहेगा। सुबह के वक्त मध्यम से घना कोहरा छा सकता है। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि अभी 2-3 दिन प्रचंड सर्दी पड़ेगी। उसके बाद पश्चिमी विक्षोभ आने से तापमान में कुछ बढ़ोतरी होगी। दिल्ली में पांच से नौ जनवरी तक भीषण शीतलहर चली जो एक दशक में इस महीने में प्रचंड शीतलहर की दूसरी सबसे लंबी अवधि रही। सर्दी का आलम यह है कि सोमवार को इस सीजन की सबसे ठंडी सुबह तो रहने के साथ एक दशक में जनवरी का दूसरा सबसे ठंडा दिन भी रहा। सोमवार को राजधानी का न्यूनतम तापमान महज 1.4 डिग्री रहा। यह सामान्य से छह डिग्री कम है। इससे पूर्व 1 जनवरी 2021 को न्यूनतम तापमान 1.1 डिग्री दर्ज किया गया था। मौसम विभाग के अनुसार, 17-18 जनवरी को भारत के उत्तरी-पश्चिमी और मध्य इलाके में तापमान करीब 2 डिग्री सेल्सियस गिर सकता है। राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में शीत लहर चलती रहेगी।

ग्वालियर में सड़क की खराब स्थिति को लेकर मंत्री ने मांगी माफी

एक व्यक्ति के धोए पैर

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के मंत्री प्रद्युम्न सिंह ने ग्वालियर में सड़क की खराब स्थिति के लिए माफी मांगी। इतना ही नहीं, उन्होंने एक व्यक्ति के पैर भी धोए। मंत्री के इस काम को लेकर लोगों ने उनकी सादगी की तारीफ की और उन्हें सहज और सरल बताया।

सड़क की मरम्मत का किया वादा-मंत्री प्रद्युम्न सिंह ने कहा, ''मैंने सड़क की खराब स्थिति के लिए लोगों से माफी मांगी और सीवर लाइन के काम के लिए खोदी गई सड़क की मरम्मत का वादा किया।'' बता दें, मध्य प्रदेश में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं, जिसमें कई मंत्रियों की साख दांव पर लगी हुई है।

पानी मंगाकर खुद धोए पैर

दरअसल, मध्य प्रदेश के ऊर्जा मंत्री और सिंधिया समर्थक प्रद्युम्न

सिंह तोमर सड़कों का निरीक्षण करने निकले हुए थे। इसी दौरान एक व्यक्ति के पैर कीचड़ में गंदे हो गए, जिसके बाद पानी मंगाकर उन्होंने खुद व्यक्ति के पैर धोए। इस बारे में जब मंत्री से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह उनका फर्ज था।

अधिकारियों को सड़क बनाने का दिया निर्देश

मंत्री ने व्यक्ति की समस्या के बारे में भी जानकारी ली और अधिकारियों को तुरंत सड़क बनाने का निर्देश भी दिया। मंत्री के व्यक्ति के पैर धोने को लेकर लोगों ने उनकी सराहना भी की। लोगों ने कहा कि यह मंत्री जी की सादगी है कि वह इतने सरल और सहज हैं।

पहले भी चर्चा में रहे हैं ऊर्जा मंत्री-यह पहली बार नहीं है, जब ऊर्जा मंत्री चर्चा में हैं। इससे पहले भी वे कभी सफाई करने के लिए गंदे नाले में कूद गए थे तो कभी सार्वजनिक शौचालय को साफ करते हुए नजर आते हैं। यही नहीं, सड़कों को बनवाने के लिए वे खुद नंगे पैर घूमने निकल जाते हैं।

बसपा का नया रूप, युवाओं की बढ़ेगी भागेदारी

मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को दी बड़ी जिम्मेदारी

लखनऊ। बसपा लोकसभा चुनाव से पहले नए रूप में दिखेगी। संगठन में प्रमुख चेहरों में युवा को महत्व दिया जाएगा। उन्हें जिम्मेदारियां देकर लोकसभा चुनाव से पहले पार्टी मजबूत किया जाएगा। बसपा सुप्रीमो मायावती के भतीजे आकाश आनंद ने स्वयं ट्वीट कर युवाओं को 50 फीसदी भागीदारी संगठन में देने की बात कही है। उनके इस बात की पुष्ट स्वयं मायावती ने पत्रकारों से बातचीत में की है। बसपा अपने सबसे खराब दौर से गुजर रही है। मौजूदा समय उसका मात्र एक ही विधायक है। मायावती इसीलिए संगठन को नए सिरे से खड़ा करने में जुटी हुई हैं। इसके लिए भतीजे आकाश आनंद को अहम जिम्मेदारियां दी हैं। आकाश यूपी के साथ ही देश के अन्य राज्यों में संगठन को नए

सिरे से खड़ा करने में जुटे हुए हैं। रैलियां निकालने के साथ वह सभाएं कर रहे हैं। पंजाब व हरियाणा के साथ दक्षिण के राज्यों में उन्होंने जमकर मेहनत की है। बसपा सुप्रीमो विधानसभा चुनाव के बाद से लगातार लखनऊ में डेरा डाले हुए हैं। मंडलीय बैठकें कर रही हैं और सदस्यता अभियान की समीक्षा कर रही हैं। पार्टी से जुड़े वरिष्ठ नेता कहते हैं कि संगठन में बदलाव करते हुए निकाय चुनाव में इसका असर देखेंगी। खराब रिजल्ट देने वाले नेताओं को हटाकर दूसरों को मौका दिया जाएगा। संगठन में दलित, ओबीसी के साथ मुस्लिमों को जोड़ा जा रहा है। मायावती का दावा है कि उनका दलित वोट बैंक आज भी उनके साथ है। उसके छिटकने का अफवाह विरोधी फैला रहे हैं। मायावती ने यह जरूर कहा कि ईवीएम में उनका वोट कहां जा रहा है यह पता नहीं चल रहा है। पूरी-पूरी बस्ती का वोट बैंक इधर-उधर हो जा रहा है। इसलिए बैलेट से चुनाव की वकालत कर रही हैं।

आबादी में टॉप पर पहुंच रहा भारत, पर यह राज्य ज्यादा बच्चों पर देगा इनाम

नई दिल्ली। देश में बढ़ती आबादी को लेकर अकसर चिंताएं जताई जाती रही हैं और यहां तक कहा जाता है कि अगले कुछ सालों में भारत चीन को पीछे छोड़कर जनसंख्या में सबसे आगे निकल जाएगा। इस बीच देश के ही एक राज्य सिक्किम में आबादी बढ़ाने के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। सिक्किम के सीम प्रेम सिंह तमांग ने ज्यादा बच्चों को जन्म देने वाली महिलाओं को इनाम देने का भी ऐलान कर दिया है। तमांग का कहना है कि सिक्किम के मूल निवासियों की आबादी में कमी आ रही है। ऐसे में जन्मदर में इजाफा किए जाने की जरूरत है। उन्होंने प्रस्ताव दिया है कि दो बच्चों को जन्म देने वाली महिला कर्मचारियों को इन्क्रीमेंट दिया जाएगा। इसके अलावा तीसरे बच्चे के जन्म पर कुछ और लाभ भी दिए जाएंगे। सिक्किम देश का ऐसा पहला राज्य है, जिसने आबादी बढ़ाने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करने का फैसला लिया है। इससे पहले सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा के नेतृत्व वाली कैबिनेट ने 14 नवंबर, 2021 को ऐलान किया था कि महिला कर्मचारियों को मैटरनिटी लीव के तौर पर 365 दिनों का अवकाश दिया जाएगा। इसके अलावा नए पिता बनने वालों को भी 30 दिनों का पितृत्व अवकाश मिलेगा। सीएम तमांग ने आबादी बढ़ाने की जरूरत को लेकर कहा, हमें घटते फर्टिलिटी रेट को रोकना होगा। इसके लिए स्थानीय लोगों को आबादी बढ़ाने के लिए प्रेरित करना जरूरी है। सिक्किम में बीते कुछ सालों में जन्मदर में तेजी से गिरावट आई है। प्रति महिला एक बच्चे की जन्म दर हो गई है और इसके चलते संकट गहरा रहा है। सरकार से लेकर स्थानीय सामाजिक संगठन तक इसे लेकर चिंता जाहिर कर चुके हैं। इन संगठनों का कहना है कि इस जन्मदर में इजाफे की जरूरत है। सीएम तमांग ने कहा कि आमतौर पर परिवार में एक ही बच्चे का जन्म हो रहा है, इसे बढ़ाने के लिए सरकार सभी जरूरी उपाय करेगी। इसके लिए मेडिकल फैसिलिटी, छुट्टी आदि भी दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि सरकार प्रदेश में आईवीएफ सेंटर्स में भी इजाफा करेगी ताकि उन महिलाओं को भी संतान प्राप्ति हो सके, जो किन्हीं कारणों से गर्भवती नहीं हो पा रही हैं।

जम्मू कश्मीर में राहुल गांधी को खतरा! सुरक्षा एजेंसियों ने चेताया- कुछ जगहों पर पैदल न चलें

नई दिल्ली। भारत जोड़ो यात्रा में बिजी राहुल गांधी को लेकर सुरक्षा एजेंसियों ने अलर्ट जारी किया है। मीडिया रिपोर्ट है कि कश्मीर में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी को कुछ जगहों पर नहीं चलने की सलाह दी गई है। सुरक्षा सूत्रों ने जानकारी दी कि उन्हें जम्मू कश्मीर में कुछ जगहों पर पैदल चलने से बचना चाहिए। पैदल के बजाय उन्हें कार में यात्रा करनी चाहिए। राहुल गांधी के नेतृव में भारत जोड़ो यात्रा 19 जनवरी को जम्मू कश्मीर के लखनपुर में एंट्री लेगी।

पिछले साल 7 सितंबर को तमिलनाडु के कन्याकुमारी से कांग्रेस ने भारत जोड़ो यात्रा की शुरुआत की थी। 150 दिनी और 3750 किलोमीटर के लक्ष्य के साथ यह यात्रा राहुल गांधी के नेतृत्व में 12 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों को कवर करेगी। NDTV की

रिपोर्ट है कि सुरक्षा एजेंसी से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि राहुल गांधी को जम्मू कश्मीर में कुछ जगहों पर खतरा हो सकता है। उन्होंने कहा, उनके सुरक्षित करने के लिए एक विस्तृत योजना बनाई गई है और यह सलाह दी गई है कि उसे पैदल यात्रा करने से बचना चाहिए और इसके बजाय कार में यात्रा करनी चाहिए। अधिकारी ने कहा कि एक व्यापक सुरक्षा समीक्षा अभी भी चल रही है जिसमें रात के पड़ावों के बारे में विवरण पर काम किया जा रहा है। 52 वर्षीय कांग्रेस नेता 25 जनवरी को बनिहाल में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए तैयार हैं और दो दिन बाद 27 जनवरी को अनंतनाग के रास्ते श्रीनगर में एंट्री लेंगे। अधिकारी ने कहा, राहुल (गांधी) कश्मीर के रास्ते में तिरंगा फहराएंगे। अब तक ऐसा लगता है कि यह बनिहाल के आसपास होगा। फिर यात्रा गणतंत्र दिवस के एक दिन बाद अनंतनाग के रास्ते श्रीनगर में प्रवेश करेगी। उनके अनुसार, सुरक्षा एजेंसियां चाहती हैं कि राहुल गांधी जब श्रीनगर में हों तो कुछ ही लोग उनके साथ यात्रा करें।

भारत जोड़ो यात्रा का शेड्यूल

योजना के मुताबिक राहुल गांधी 19 जनवरी को लखनपुर में प्रवेश करेंगे और वहां एक रात रुकने के बाद अगली सुबह कठुआ के हटली मोड़ से रवाना होंगे। यात्रा फिर से चड़वाल में रात्रि विश्राम करेगी। 21 जनवरी की सुबह यह हीरानगर से दुग्गर हवेली के लिए शुरू होगी और 22 जनवरी को विजयपुर से सतवारी तक जाएगी।

गौरतलब है कि राहुल गांधी के पास वर्तमान में Z + श्रेणी सुरक्षा कवर है, जिसका अर्थ है कि 8/9 कमांडो 24×7 उनकी रखवाली कर रहे हैं। पिछले महीने कांग्रेस ने केंद्र से उनकी सुरक्षा बढ़ाने की मांग की थी क्योंकि यात्रा मार्ग में कई सुरक्षा उल्लंघन देखे गए थे। केंद्र ने कांग्रेस को जवाब देते हुए कहा था कि राहुल गांधी ने खुद 2020 से 100 से अधिक बार अपने सुरक्षा नियमों का उल्लंघन किया है।

भारतीय सेना में पहली बार 108 महिला अफसर बनेंगी कर्नल, आर्मी बोर्ड गठित

नई दिल्ली। महिला अधिकारियों को और अधिक सशक्त बनाने के लिए भारतीय सेना ने पहली बार कमांड भूमिकाओं के लिए 30 से अधिक महिला अधिकारियों को मंजूरी दी है। भारतीय सेना ने 108 महिला अधिकारियों को कर्नल रैंक पर पदोन्नत करने के लिए आर्मी बोर्ड गठित कर दिया है। इसके अलावा महिला अधिकारियों को भारतीय सेना की कोर ऑफ आर्टिलरी में कमीशन देने का फैसला लिया है। इस बारे में एक प्रस्ताव सरकार को भेजा गया है, जिस पर सेनाध्यक्ष ने जल्द ही मंजूरी मिलने की उम्मीद जताई है। सैन्य सूत्रों के मुताबिक 30 से अधिक महिला अधिकारियों की प्रारंभिक सूची को विभिन्न शाखाओं और सेवाओं से मंजूरी दे दी गई है, जिसमें कॉर्प्स ऑफ इंजीनियर्स, सिग्नल, आयुध और इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल इंजीनियर शामिल हैं। जल्द ही और सूचियां सामने आएंगी, क्योंकि आर्मी बोर्ड से परिणाम जल्द घोषित किए जाएंगे। बोर्ड से पास होने वाली महिला अधिकारियों को कमांड की भूमिका दी जाएगी। उन्हें भविष्य में इससे उच्च रैंक पर पदोन्नत किया जा सकता है। इसी तरह कर्नल रैंक पर कमांड असाइनमेंट के लिए महिला अधिकारियों के चयन की प्रक्रिया प्रगति पर है। भारतीय सेना में 108 महिला अधिकारियों को कर्नल रैंक पर पदोन्नत करने के लिए आर्मी बोर्ड का गठन कर दिया गया है। यह

आर्मी बोर्ड 108 महिला अधिकारियों को सैन्य खुफिया और इंजीनियरों सहित विभिन्न शाखाओं में कर्नल के रूप में पदोन्नत करने के लिए तैयार है। यह पहली बार है कि भारतीय सेना में इंजीनियर्स, मिलिट्री इंटेलिजेंस, आर्मी एयर डिफेंस, आयुध और सेवा सहित शाखाओं में कमांड भूमिकाओं के लिए महिला अधिकारियों का चयन किया जाएगा। इसके अलावा सेना में महिला अधिकारियों के सशक्तिकरण के लिए अन्य उपाय पहले ही लागू किए जा चुके हैं, उनमें सभी शॉर्ट सर्विस कमीशन महिला अधिकारियों को उनके पुरुष समकक्षों के साथ स्थायी कमीशन दिया जाना भी शामिल है। सेना मुख्यालय के मुताबिक 108 महिला अधिकारियों को कर्नल रैंक पर पदोन्नत करने के लिए 1992 से 2005 तक के बैच से लिया गया है। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के लिए एक वर्ष में महिला कैडेटों के लिए 20 रिक्तियां निर्धारित की गई हैं। इसके अलावा अधिकारी प्रशिक्षण अकादमियों में एसएससी महिला अधिकारियों के लिए 80 रिक्तियां जारी की गई हैं। सेना उड्डयन कोर की फ्लाइंग शाखा में महिला अधिकारियों की सीधी कमीशनिंग 2022 से शुरू हुई है। अग्निपथ प्रवेश योजना के माध्यम से महिला सैनिकों को भी शामिल किया जा रहा है। मार्च, 2023 में 100 से अधिक महिला अग्निवीरों का पहला बैच बेंगलुरु के प्रशिक्षण केंद्र में शामिल होगा। सेना मुख्यालय के अधिकारियों ने कहा कि महिला अधिकारियों को उनके पुरुष समकक्षों के बराबर अवसर दिए जा रहे हैं। हाल ही में कोर ऑफ इंजीनियर्स की कैप्टन शिवा चौहान को दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन में कठोर प्रशिक्षण के बाद तीन महीने के लिए लगभग 15,600 फीट की ऊंचाई पर स्थित कुमार पोस्ट पर तैनात किया गया है। सेना ने मित्र देशों के साथ संयुक्त अभ्यास और संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न शांति मिशनों में भी महिला सैनिकों की तैनाती शुरू कर दी है। हाल ही में अफ्रीका के अबेई क्षेत्र में 25 महिला सैनिकों वाली भारतीय टीम को तैनात किया गया है। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने आर्मी डे पर सालाना प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया था कि महिला अधिकारियों को भारतीय सेना की कोर ऑफ आर्टिलरी में कमीशन दिया जाएगा। इस बारे में हमने प्रस्ताव सरकार को भेज दिया है और हमें उम्मीद है कि इसे स्वीकार कर लिया जाएगा।

भारत-म्यांमार सीमा के पास 1.31 करोड़ रुपये की हेरोइन बरामद

आइजोल । मिजोरम के चम्फाई जिले में भारत-म्यांमार सीमा के पास दो व्यक्तियों के पास से 1.31 करोड़ रुपये की हेरोइन बरामद कर उन्हें गिरफ्तार किया है। गुप्त सूचना के आधार पर असम राइफल्स के जवानों और राज्य आबकारी विभाग के अधिकारियों के एक दल ने चम्फाई-जोखवथर मार्ग पर स्थित मुआलकावी इलाके में तलाशी अभियान चलाकर दोनों आरोपियों के पास से 263.4 ग्राम नशीला पदार्थ बरामद किया। असम राइफल्स ने कहा कि प्रतिबंधित सामग्री को साबुन की 21 पेटियों में छिपाया गया था। अधिकारियों के मुताबिक ऐसा लगता है कि बरामद की गई हेरोइन को म्यांमार से तस्करी कर लाया जा रहा था। दोनों आरोपियों और जब्त की गई खेप को आगे की कानूनी कार्यवाही के लिए आबकारी और मादक पदार्थ विभाग को सौंप दिया गया है।

पत्नी के उत्पीड़न से परेशान पति ने थाने में की शिकायत बताया महंगे गिफ्ट के लिए करती है परेशान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक पति ने पत्नी से परेशान होकर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पति ने पत्नी के ही खिलाफ मानसिक तौर पर उत्पीड़न करने का मामला दर्ज करवाया है। थाने पहुंच कर पति ने बताया कि उसकी पत्नी उससे महंगे गिफ्ट मांगती है। अगर वह पत्नी की मांग पूरी नहीं करता तो मानसिक तौर पर उसे टॉर्चर करती है। मामला लखनऊ का है जहां जितेंद्र सिंह ने कहा कि उनकी पत्नी सोनम लगातार उनसे महंगे गिफ्ट्स मांगती रहती है। पत्नी की मांगों को पूरी करने की वह कोशिश करता है मगर अब पत्नी की बढ़ती मांगों से वह परेशान हो चुका है। पीड़ित ने बताया कि दोनों की मुलाकात फेसबुक पर हुई थी। सन 2021 में दोनों की शादी हुई थी। शादी के बाद दोनों लखनऊ के रजनीखंड इलाके में रहने लगे। शादी के बाद दोनों कुछ दिन परिवार के साथ रहे बाद में पत्नी की जिद पर दोनों ने अलग घर ले लिया। इसके बाद पत्नी सोनम ने कई तरह के महंगे गिफ्ट्स पति से मांगने शुरू कर दिए। शुरुआत में पति ने पत्नी की मांगों को पूरा किया मगर पत्नी इन गिफ्ट्स को पाकर खुश नहीं हुआ बल्कि उसने कई महंगे गिफ्ट्स मांगने शुरू कर दिए। पत्नी अब हर दिन कई तरह के गिफ्ट्स मांगती रहती है। पति जितेंद्र का कहना है कि अब पत्नी सोनम लग्जरी कार खरीदने की मांग कर रही है। अब पत्नी ने मेरी मां का घर अपने नाम कराने की मांग कर दी है। ऐसा नहीं करने पर उसने मानसिक तौर पर परेशान करना शुरू किया है और तलाक देने की धमकी दी है। पत्नी की ऐसी मांगों और हरकतों के कारण मैं डिप्रेशन का शिकार हो गया हूं। पीड़ित पति ने अब अपनी पत्नी के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है।

विमान में एक यात्री ने आपातकालीन द्वार खोल दिया डीजीसीए ने जांच के आदेश दिए

नई दिल्ली । दिसंबर 2022 में इंडिगो के विमान में एक यात्री ने आपातकालीन द्वार खोल दिया था जिससे विमान के अन्य लोगों में भगदड़ मची थी। अधिकारियों ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। विमानन नियामक नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने मामले की जांच शुरू कर एयरलाइन से रिपोर्ट मांगी है। डीजीसीए के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा हम इस मामले को देख रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना 10 दिसंबर को चेन्नई से त्रिवेंद्रम जा रही इंडिगो 6ई फ्लाइट 6ई-7339 में हुई थी। एक अधिकारी ने कहा कि दबाव जांच के तुरंत बाद विमान ने उड़ान भरी। हाल के दिनों में हवाई यात्रियों के अनियंत्रित व्यवहार की कई घटनाएं सामने आई हैं। उड़ानों में पेशाब करने की घटनाओं के अलावा एक हवाई-यात्री और इंडिगो उड़ान के चालक दल के सदस्यों में से एक के बीच एक जोरदार बहस पिछले साल सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। हवाई यात्रियों के अनियंत्रित व्यवहार के मामलों को ध्यान में रखते हुए जहां पायलट और केबिन क्रू सदस्य उचित कार्रवाई करने में विफल रहे हैं डीजीसीए ने हाल ही में एयरलाइंस के संचालन प्रमुखों को पायलटों केबिन क्रू और निदेशक-इन-फ्लाइट सर्विसेज को अपनी संबंधित एयरलाइनों के बारे में संवेदनशील बनाने के लिए कहा है।

कोवोवैक्स' को हीट्रोलोगस बूस्टर' खुराक के तौर पर उतरने की मंजूरी

नई दिल्ली । भारत के औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) ने कोविड-19 टीके 'कोवोवैक्स' को इसतरह के व्यस्कों के लिए 'हीट्रोलोगस बूस्टर' खुराक के तौर पर बाजार में उतारने की मंजूरी दे दी है जिन्हें कोविशील्ड या कोवैक्सीन की दोनों प्रारंभिक खुराक हासिल हो चुकी हैं। आधिकारिक सूत्रों ने इसकी जानकारी दी। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) की विषय विशेषज्ञ समिति की सिफारिश के बाद डीसीजीआई ने सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) के कोवोवैक्स' टीके को 'हीट्रोलोगस बूस्टर' खुराक के तौर पर बाजार में उतारने की मंजूरी प्रदान की है। सूत्र ने पहले बताया था कि एसआईआई के सरकार और नियामक मामलों के निदेशक प्रकाश कुमार सिंह ने कुछ देशों में महामारी के बढ़ते प्रकोप के मद्देनजर वयस्कों के लिए 'हीट्रोलोगस' बूस्टर खुराक के रूप में कोवोवैक्स को मंजूरी देने के लिए हाल में डीसीजीआई को पत्र लिखा था। डीसीजीआई ने 28 दिसंबर 2021 को वयस्कों के लिए आपात स्थिति में कोवोवैक्स के सीमित इस्तेमाल की मंजूरी दी थी। उसने 12 से 17 साल की आयु के लोगों के लिए 9 मार्च 2022 को और 7 से 11 साल के बच्चों के लिए 28 जून 2022 को इस टीके के सीमित इस्तेमाल की स्वीकृति प्रदान की थी।

प्रिंसिपल को क्यों गिरफ्तार करना चाहती है पुलिस : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। गवर्नमेंट न्यू लॉ कॉलेज इंदौर के प्रिंसिपल की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सवाल उठाए। मुख्य न्यायाधिपती डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा किसी लाइब्रेरी में मिली किताब को लेकर प्रिंसिपल डॉ इनामुल रहमान को क्यों मध्य प्रदेश की पुलिस गिरफ्तार करना चाहती है। मध्य प्रदेश सरकार के वकील ने कहा कि सरकार को ऐसा करने का कानूनी हक प्राप्त है।मुख्य न्यायमूर्ति ने हैरानी व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार के लिए और भी गंभीर काम है वह करे। उल्लेखनीय है कि विवादित किताब 2014 में प्रकाशित हुई थी। हाल ही में वह कॉलेज की लाइब्रेरी में मिली थी। कॉलेज के कुछ छात्रों ने इस किताब को लेकर विवाद किया।जिस पर प्रिंसिपल के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। 2023 में 2014 में प्रकाशित किताब को आधार बनाकर प्रिंसिपल की गिरफ्तारी पर हाईकोर्ट ने 22 दिसंबर 2022 को अग्रिम जमानत दे दी थी। हाईकोर्ट के आदेश पर याचिकाकर्ता प्रिंसिपल ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती याचिका दायर की है।मुख्य न्यायमूर्ति ने याचिकाकर्ता से कहा कि राज्य सरकार की ओर से यदि कोई अपील की जाएगीतब वह इस मामले पर विचार करेंगे।

दिल्ली सहित कुछ राज्यों में भीषण शीतलहर से 2 दिन बाद राहत मिलने की उम्मीद

- जम्मू-कश्मीर हिमाचल प्रदेश व उत्तराखंड में 18 से 20 जनवरी के बीच बारिश और बर्फबारी के आसार

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली सहित कुछ राज्यों में भीषण शीतलहर से 2 दिन बाद राहत मिलने की उम्मीद है। वहीं जम्मू-कश्मीर हिमाचल प्रदेश व उत्तराखंड में 18 से 20 जनवरी के बीच बारिश और बर्फबारी के आसार हैं। उत्तर और उत्तर पश्चिम भारत पिछले कुछ हफ्तों से भीषण शीत लहर से कांप रहा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक 18 जनवरी और 20 जनवरी को दो पश्चिमी विक्षोभ उत्तर पश्चिम भारत को प्रभावित कर सकते हैं। मौसम विभाग के अनुसार उत्तर पश्चिम भारत में शीत लहर की स्थिति 19 जनवरी से खत्म होने की संभावना है। पश्चिमी विक्षोभ के कारण 18 से 20 जनवरी के बीच जम्मू-कश्मीर हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश और बर्फबारी की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक एक ताजा पश्चिमी विक्षोभ 18 जनवरी की रात से पश्चिमी हिमालय क्षेत्र को प्रभावित कर सकता है। इसके कारण जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगिट-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 18 से 20 जनवरी के दौरान हल्की से मध्यम तक छिटपुट बारिश और बर्फबारी होने की संभावना है।

आर्थिक मंदी पर पीएम मोदी और वित्तमंत्री क्या छुपा रहे : कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने केंद्रीय मंत्री नारायण राणे की आर्थिक मंदी वाली टिप्पणी के बाद मंगलवार को पूछा कि पीएम नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण देश से क्या छिपा रहे हैं। दरअसल केंद्रीय सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्योग (एमएसएमई) मंत्री नारायण राणे ने कहा था कि अगर भारत आर्थिक मंदी का सामना करता है तब यह जून के बाद ही होगा लेकिन केंद्र ऐसी स्थिति से बचने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है।

उन्होंने कहा कि विकसित देश पहले ही आर्थिक मंदी का सामना कर रहे हैं। कांग्रेस नेता रमेश ने ट्वीट किया साल 2014 के बाद से बर्बाद हो चुके एमएसएमई के केंद्रीय कैबिनेट मंत्री राणे ने छह महीने बाद भारत में मंदी की भविष्यवाणी की है। उन्होंने जी20 सम्मेलन में पुणे में यह कहा है। प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री देश से क्या छिपा रहे हैं। राणे महाराष्ट्र के पुणे शहर में जी20 के पहले अवसंरचना कार्य समूह (आईडब्ल्यूजी) की बैठक का उद्घाटन करने के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने आर्थिक मंदी की स्थिति का सामना करने के लिए भारत की तैयारियों के बारे में पूछने पर कहा था चूंकि हम मंत्रिमंडल में हैं हमें जानकारी मिलती है (आर्थिक मंदी के बारे में) या प्रधानमंत्री मोदीजी हमें इस बारे में सुझाव देते हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में बड़े विकसित देश आर्थिक मंदी का सामना कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा भारत सरकार और मोदीजी यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयास कर रहे हैं कि नागरिक इससे प्रभावित न हों।

आरएसएस-बीजेपी अलग-अलग नहीं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पेड़ तो भाजपा उसका फल: कन्हैया कुमार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर निशाना साधते हुए पूछा कि क्या वे भारत के संविधान का सम्मान करते हैं उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की मूल संरचना सिद्धांत पर आलोचनात्मक टिप्पणियों पर बहस के बीच कांग्रेस नेताओं ने बीजेपी की तीखी आलोचना की है। कन्हैया कुमार ने कहा कि हम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को अलग-अलग नहीं देखते हैं। आरएसएस पेड़ है और बीजेपी उसका फल। आरएसएस का धर्म से कोई लेना-देना नहीं है। आरएसएस धार्मिक प्रतीकों का इस्तेमाल अपने राजनीतिक लाभ के लिए करती है वो सांस्कृतिक संगठन नहीं है। पंजाब के होशियारपुर में कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा के बीच एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कन्हैया कुमार ने कहा ÷संविधान सर्वोच्च है और इसका सम्मान करना हमारी पार्टी का कर्तव्य है। हम बीजेपी-आरएसएस से पूछना चाहते हैं कि वे संविधान का सम्मान करते हैं या नहीं। संविधान को बचाना और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना हमारी पार्टी की प्राथमिकता है। हमारे सभी काम संविधान के मार्गदर्शन में हो रहे हैं और हमारी सोच देश के संविधान के प्रति उन्मुख है। पूर्व जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ (जेएनयूएसयू) के अध्यक्ष रहे और कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने कहा 'हम बीजेपी और आरएसएस में फर्क नहीं करते। आरएसएस बीज है और भाजपा फल है। भले ही वे खुद को सांस्कृतिक संगठन कहते हों लेकिन उनकी पूरी विचारधारा राजनीति पर आधारित है। मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि धर्म देश का होता है। हालांकि सांप्रदायिकता नहीं है। आरएसएस सांप्रदायिक राजनीति के लिए धर्म के प्रतीकों का इस्तेमाल कर रहा है। यह किसी भी तरह से धर्म से संबंधित नहीं है पिछले हफ्ते ऐतिहासिक 1973 केशवानंद भारती मामले पर टिप्पणी करते हुए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा 1973 में भारत में एक बहुत ही गलत मिसाल शुरू हुई थी। केशवानंद भारती के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बुनियादी ढांचे का विचार दिया कि संसद संविधान में संशोधन कर सकती है लेकिन इसकी मूल संरचना में नहीं। जगदीप धनखड़ ने कहा ने कहा था कि न्यायपालिका का पूरा सम्मान करते हुए मैं इसकी सदस्यता नहीं ले सकता।

दाऊद ने कर ली दूसरी शादी कराची में मौज के साथ रह रहा

-हसीना पारकर के बेटे अली शाह ने एनआईए को बताया

नई दिल्ली । अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम ने पाकिस्तान में दूसरी बार शादी की है। उसका अभी पहली पत्नी से भी तलाक नहीं हुआ है और वह कराची में मौज से रह रहा है। यह खुलासा हसीना पारकर (दाऊद की बहन) के बेटे अली शाह ने एनआईए के सामने किया है। मामला सितंबर 2022 का है जब जांच एजेंसी एनआईए ने कई जगहों पर छापेमारी की थी और दाऊद के आतंकी नेटवर्क के सिलसिले में सैकड़ों लोगों को गिरफ्तार किया था।

सितंबर 2022 में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के सामने दाऊद की बहन हसीना पारकर के बेटे अली शाह ने पूछताछ में कई खुलासे किये। अली शाह के बयान के मुताबिक अंडरवर्ल्ड डॉन ने अभी तक अपनी पहली पत्नी को तलाक नहीं दिया है और वह पठान लड़की से दूसरी शादी भी कर चुका है। दाऊद पाकिस्तान में दूसरी शादी करके मौज की जिंदगी जी रहा है। एजेंसी ने मामले में कोर्ट में चार्जशीट भी दाखिल की थी। मीडिया रिपोर्ट है कि अली शाह ने सुरक्षा एजेंसी को बताया कि दाऊद ने अभी तक अपनी पहली पत्नी मेहजबीन शेख को तलाक नहीं दिया है। दाऊद की दूसरी शादी महजबीन से जांच एजेंसियों का फोकस हटाने की कोशिश भी हो सकती है। अली शाह ने कहा कि वह दाऊद की पहली पत्नी से जुलाई 2022 में दुबई में मिला था जहां उसने उसे दाऊद की दूसरी महिला से शादी के बारे में बताया था। उन्होंने दावा किया कि महजबीन शेख व्हाट्सएप कॉल के जरिए भारत में दाऊद के रिश्तेदारों से संपर्क बनाए रखती है।

मैं वरुण को गले लगा सकता हूं लेकिन मेरी पार्टी की विचाराधारा उनसे अलग : राहुल गांधी

-कभी भी आरएसएस के ऑफिस नहीं जा सकता

होशियारपुर (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भाजपा सांसद और मेनका गांधी के सुपुत्र वरुण गांधी के कांग्रेस में शामिल होने की अटकलों को लेकर बयान दिया है। राहुल गांधी ने कहा कि हमारी विचार धारा अलग-अलग है। राहुल की भारत जोड़ो यात्रा इन दिनों पंजाब में है। यात्रा के दौरान अपनी प्रेसवार्ता में राहुल गांधी ने बीजेपी के खिलाफ जमकर निशाना साधा। राहुल गांधी ने कहा कि हमारी भारत जोड़ो यात्रा नफरत और हिंसा के खिलाफ है। साथ ही कहा कि हमारी भारत जोड़ो यात्रा का मकसद देश में महंगाई-बेरोजगारी को उखाड़ फेंकना है। राहुल ने कहा कि देश के संस्थानों पर आज के समय में आरएसएस

और बीजेपी का पूरी तरह नियत्रंण है। वहीं बीजेपी के पूंजीपतियों के लिए काम करने को लेकर आरोप लगाकर राहुल गांधी ने कहा कि देश एक फीसद अमीर के पास देश का 40 फीसद धन है। राहुल ने केंद्र पर आरोप लगाकर कहा कि देश में जांच एजेंसियों का दुरुपयोग हो रहा है।

वहीं अपने भाई वरुण गांधी के कांग्रेस में शामिल होने की अटकलों के बीच राहुल ने बड़ा बयान दिया। राहुल गांधी ने कहा कि वरुण चूंकि बीजेपी में हैं। राहुल ने कहा कि मेरी विचार धारा उनकी विचारधारा से नहीं मिलती है। मैं कभी आरएसएस के ऑफिस में नहीं जा सकता। उसके लिए आपको पहले मेरा गला काटना पड़ेगा। राहुल ने कहा कि मेरा जो परिवार है उसकी एक अलग विचारधारा है। वरुण ने दूसरी विचारधारा को अपनाया। जिसे मैं कभी स्वीकार नहीं कर सकता हूं। राहुल ने कहा कि मैं जरूर वरुण से प्यार से मिल सकता हूं... गले लग सकता हूं। मगर मैं उस विचारधारा को कभी भी स्वीकार नहीं कर सकता हूं।

राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान सुरक्षा में चूक को लेकर बयान दिया। राहुल ने कहा कि उत्साह में अक्सर ऐसी घटनाएं हो जाती है। दरअसल एक शख्स राहुल से गले मिलने के लिए अचानक दौड़ पड़ा था।

रामचरितमानस विवाद पर नीतिश ने कहा धर्म पर कोई विवाद नहीं होना चाहिए

पटना (एजेंसी)। रामचरितमानस विवाद पर बिहार में सियासी घमासान मचा हुआ हैं। इसी बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को इस पर चुप्पी तोड़ी। उन्होंने कहा कि कोई भी धर्म को मानने वाला हो उसमें हम हस्तक्षेप नहीं करते हैं अभी डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने भी कह दिया है। हमारी पार्टी का मानना है कि सब लोग जिस भी धर्म का पालन करते हैं वहां धर्म का पालन करें। सभी को इज्जत मिलनी चाहिए। इसमें किसी तरह के हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। सीएम नीतीश मंगलवार को समाधान यात्रा के तहत अरवल और जहानाबाद के दौरे पर हैं। इसी दौरान मुख्यमंत्री सबसे पहले अरवल के प्रसादी इंग्लिश गांव के वार्ड संख्या 12 में पहुंचे। यहां उन्होंने सोलर स्ट्रीट लाइट योजना नल जल योजना सहित जीविका दीदियों से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री नीतीश ने विकास कामों का भी जायजा लिया। इसी दौरान मुख्यमंत्री से बिहार के शिक्षा मंत्री रामचरितमानस को लेकर दिए गए

बयान पर सवाल किया गया। बस इसी के बाद सीएम नीतीश ने जवाब दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम धर्म के मामले पर कुछ नहीं कहने वाले हैं धर्म पर कोई विवाद नहीं होना चाहिए। यह स्वेच्छा की चीज है। वहीं उपमुख्यमंत्री ने भी इस तरह की बात ना करने की सलाह दी है। सभी धर्म का सम्मान होना चाहिए। सभी धर्म के मानने वालों का सम्मान होना चाहिए। हमारी पार्टी का यही मत है। दरअसल बिहार के शिक्षा मंत्री प्रोफेसर चंद्रशेखर के रामचरितमानस को नफरती ग्रंथ बताया था। हालांकि बाद में उन्होंने सफाई देकर कहा कि कुछ छंदों के लिए उन्होंने ये बातें कही थी।

तेलंगाना के सीएम केसीआर की खम्मम में आज होने वाली जनसभा में दिखेगी विपक्षी एकता की झलक

-केजरीवाल मान अखिलेश और विजयन हो रहे शामिल

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना में सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) बुधवार को खम्मम शहर में जनसभा आयोजित करेगी जिसमें दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान केरल के मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन समाजवादी पार्टी नेता अखिलेश यादव और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के डी राजा शामिल होने वाले हैं। इस जनसभा को राजनीतिक रूप से अहम माना जा रहा है क्योंकि यह तेलंगाना राष्ट्र समिति द्वारा अपना नाम बदलकर बीआरएस करने के बाद उसकी पहली जनसभा है।

बीआरएस अध्यक्ष और तेलंगाना के सीएम के. चंद्रशेखर राव तथा अन्य नेता बुधवार को खम्मम जाने से पहले हैदराबाद के समीप यदाद्री में भगवान लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर जाएंगे जिसका राव सरकार ने व्यापक स्तर पर पुनरुद्धार किया है। बीआरएस के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद बी विनोद कुमार ने कहा कि हैदराबाद से करीब 200 किलोमीटर दूर खम्मम में ये नेता तेलंगाना सरकार के

नेत्र जांच कार्यक्रम 'कांति वेलुगु' के दूसरे चरण के उद्घाटन में शामिल होने वाले हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार में धर्मनिरपेक्षता समाजवाद और उदारवाद सहित संविधान की आत्मा को कमजोर किया जा रहा है।

यह पूछने पर कि क्या खम्मम जनसभा को 2024 में लोकसभा चुनाव को लेकर विपक्षी एकता की ओर एक कदम के तौर पर देखा जा सकता है इस पर कुमार ने कहा कि यह केवल बार-बार दोहराए जाने वाले 'मोर्चे' का गठन नहीं है और बीआरएस देश के लोगों को ''वैकल्पिक राजनीति'' देना चाहेगी। इस बीच भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष और सांसद बंदी संजय कुमार ने अन्य राज्य के मुख्यमंत्रियों को यदाद्री मंदिर में ले जाने के लिए केसीआर के नाम से मशहूर मुख्यमंत्री राव पर निशाना साधा। कल्वाकुंतला परिवार के लिए मंदिर उद्योग केंद्र बन गए हैं।

सिबी जार्ज को मार्शल आईलैंड में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया

नयी दिल्ली। भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी सिबी जार्ज को मार्शल आईलैंड में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। वे अभी जापान में भारत के राजदूत है और दोनों स्थानों पर यह दायित्व साथ-साथ संभालेंगे। विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, भारतीय विदेश सेवा के 1993 बैच के अधिकारी सिबी जार्ज अभी जापान में भारत के राजदूत हैं और उन्हें इसके साथ मार्शल आईलैंड में भी भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। वे तोक्यो में स्थित रहेंगे। मंत्रालय ने कहा कि वे जल्द ही कार्यभार संभाल सकते हैं।

हिमाचल प्रदेश में एक साल में 50 बार आया भूकंप राज्य के 4 जिले ज्यादा संवेदनशील

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश भूकंप के लिहाज से बेहद संवेदनशील जोन में आता है। पिछली सदी में वर्ष 1905 में आए विनाशकारी भूकंप की भयावह यादें अब भी दहशत पैदा कर देती हैं। हिमाचल के लोग अक्सर भूकंप के डर से सहमे रहते हैं। भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील पांचवें जोन में पड़ने वाले हिमाचल में 2022 में 50 से अधिक छोटे बड़े भूकंप आ चुके हैं। उससे पहले भी 2021 के आखिरी महीनों में ही अक्तूबर और नवंबर में छह बार भूकंप आ चुका है।

पहाड़ी राज्य होने के कारण बड़ा भूकंप हिमाचल के लिए विनाशकारी सिद्ध होगा। विशेषज्ञों का कहना है कि जागरूकता और सतर्कता से भूकंप के दौरान नुकसान को न्यूनतम किया जा सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि अधिक खतरे वाले इलाकों में भूकंप रोधी मकान बनाने को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। साथ ही नियमित अंतराल पर सरकारी और स्वयंसेवी संस्थाओं को स्कूलों व पंचायतों में जागरूकता शिविर आयोजित किए जाने चाहिए। राज्य सरकार के अधिकारियों के अनुसार सभी जिलों को समय-समय पर मॉक ड्रिल आयोजित करने के निर्देश हैं। कई स्वयं सेवी संस्थाएं निजी तौर पर जागरूकता शिविर आयोजित करती हैं जिन्हें सरकार हर संभव सहायता प्रदान करती है।

हिमाचल के लिए यह राहत की बात है कि लंबे समय से किसी भूकंप में जानमाल की कोई क्षति नहीं हुई है। विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि यदि नियमित अंतराल पर कम तीव्रता के भूकंप आते रहें तो किसी बड़े भूकंप के आने के आसार कम हो जाते हैं। 1905 में आए विनाशकारी भूकंप की पुनरावृत्ति हो सकती है। इसे सौ साल के अंतराल के बाद संभावित माना जा रहा था लेकिन सौभाग्य से हिमाचल ऐसी आपदा से सुरक्षित है।

हिमाचल जैसे राज्य में सरकार का रोल अधिक अहम है। भूकंप रोधी मकान बनाने का प्रशिक्षण पंचायत स्तर पर दिया जाना चाहिए। भूकंप आने पर खुद का बचाव करने के उपाय संबंधी पंफलेट भी सर्कुलेट किए जाने चाहिए। हिमाचल में चंबा-कांगड़ा और किन्नौर सहित शिमला जिला में अपेक्षाकृत अधिक भूकंप आते हैं। यह देखने में आया है कि एक दशक में बड़ी तीव्रता का कोई भूचाल नहीं आया है। परंतु हिमाचल को हमेशा सतर्क रहने की जरूरत है। वर्ष 2021 में साल के शुरुआत में ही चंबा जिला ने भूचाल महसूस किया।

तब 6 जनवरी को चंबा में 3.2 तीव्रता का भूकंप आया था। इसी दौरान जनवरी महीने में ही एक रात में मंडी कांगड़ा कुल्लू और बिलासपुर में तीन बार भूकंप आया था। फरवरी महीने में 13 तारीख को शिमला में भूकंप आया। इसी तरह अप्रैल महीने में 5 और 16 तारीख को चंबा और लाहौल स्पीति में धरती के भीतर हलचल से दहशत फैल गई। मंडी में पिछली साल 22 अप्रैल को भी भूकंप आया था। मई में 8 तारीख को धर्मशाला में भूकंप आया। चूंकि हिमाचल प्रदेश एक हिमालयी राज्य है लिहाजा हिमालयन रेंज में किसी भी जगह आए बड़े भूकंप का असर यहां हिमाचल में देखने को मिलता है।

उदाहरण के लिए 2022 फरवरी महीने में नॉर्थ इंडिया में रात के समय भूकंप के भारी झटके महसूस किए गए। उस समय इसका प्रथम केंद्र तजाकिस्तान और दूसरा केंद्र पंजाब का अमृतसर इलाका था। यह भूकंप इतना तेज था कि इसके झटके हिमाचल के हमीरपुर सोलन सिरमौर ऊना कांगड़ा कुल्लू चंबा और बिलासपुर जिलों में भी महसूस किए गए। मार्च महीने में तो तीन दिन में तीन बार प्राकृतिक

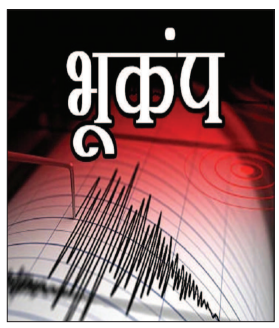

आपदा के झटके आए। किन्नौर व चंबा में कम तीव्रता के झटके आये। नवंबर महीने में 24 घंटे के अंदर चार भूकंप आ गए इस बार लोग अधिक डरे हुए हैं। क्योंकि मंडी में भूकंप की तीव्रता काफी ज्यादा थी।

अफगानिस्तान की एक पूर्व सांसद की हत्या पर कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों और देशों ने निंदा

काबुल । अफगानिस्तान की एक पूर्व सांसद की हत्या की संयुक्त राष्ट्र और अमेरिका सहित कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों एवं देशों ने निंदा की। पूर्व सांसद मुरसल नबीजादा और उनके अंगरक्षक की अज्ञात हमलावरों ने काबुल स्थित उनके घर पर गोली मारकर हत्या कर दी थी। नबीजादा उन कुछ महिला सांसदों में से थीं जो अगस्त 2021 में सत्ता पर तालिबान का कब्जा होने के बाद भी काबुल में रह रही थीं। तालिबान के फिर से सत्ता में काबिज होने के बाद यह पहली बार है जब पुरानी सरकार के किसी सांसद की शहर में हत्या की गई है। काबुल में अमेरिका की अस्थायी राजदूत कैरेन डेकर ने ट्वीट किया अपराधियों को जवाबदेह ठहराया जाए। उन्होंने कहा ''मुरसल की हत्या से गुस्से में और व्यथित हूं। यह एक दुखद क्षति है। मैं मुरसल के परिवार के प्रति संवेदनाएं प्रकट करती हूं और उम्मीद करती हूं कि उन्हें इस संवेदनहीन कृत्य के बाद न्याय मिलेगा। संयुक्त राष्ट्र की सहयोगी प्रवक्ता स्टेफनी ट्रेमब्ले ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने नबीजादा की हत्या के मामले की ''त्वरित संपूर्ण और पारदर्शी जांच किए जाने और अपराधियों को न्याय के दायरे में लाए जाने की मांग की है।'' यूरोपीय संसद की सदस्य हन्ना नेउमान ने भी ट्वीट करके नबीजादा की हत्या पर शोक जताया। स्थानीय पुलिस प्रमुख हमीदुल्ला खालिद ने बताया था कि पूर्व सांसद के भाई और एक अन्य अंगरक्षक भी हमले में घायल हुए हैं जबकि तीसरा सुरक्षा गार्ड घर से पैसे और गहने लेकर फरार हो गया है।

चीन की आर्थिक वृद्धि दर 2022 में घटकर तीन प्रतिशत पर आई

बीजिंग । पिछले साल कोरोना माहमारी से निपटने के लिए लगी पाबंदियों रियल एस्टेट क्षेत्र में मंदी के कारण चीन की आर्थिक वृद्धि दर 2022 में घटकर तीन प्रतिशत पर आ गई है। यह दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में 50 साल में दूसरी सबसे धीमी वृद्धि की रफ्तार है। मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों से इसकी जानकारी मिली है। राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक 2022 में चीन का सकल घरेलू उत्पाद 121020 अरब युआन या 17940 अरब डॉलर रहा। चीन की जीडीपी वृद्धि दर 5.5 प्रतिशत के आधिकारिक लक्ष्य से काफी नीचे रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि पाबंदियां हटने के बाद से धीरे-धीरे शॉपिंग मॉल और रेस्तरां में लोगों की मौजूदगी बढ़ रही है। वहीं सरकार के अनुसार ऐसा प्रतीत होता है कि संक्रमण की मौजूदा लहर गुजर चुकी है। इससे पहले 1974 में चीन की वृद्धि दर 2.3 प्रतिशत रही थी। उल्लेखनीय है कि इस साल डॉलर मूल्य में चीन की जीडीपी दर 2021 के 18000 अरब डॉलर से घटकर 17940 अरब डॉलर पर आ गई है।

महिला ने पति से कराया कॉन्ट्रैक्ट साइन तलाक देने पर 15 साल तक मुआवजा देना होगा

लंदन । शादी के बाद आज भी दुनिया के कई देशों में महिलाएं गृहणियां बनकर अपनी नौकरी छोड़ केवल घर तक सिमटकर रहती हैं। ऐसा हम दुनिया भर के कई देशों में होते देखते हैं। इस बीच इसका नुकसान बताने वाले कई मामले भी सामने आए हैं। तलाक के बाद इन महिलाओं को नौकरी मिलने में काफी दिक्कत होती है क्योंकि सीवी में अच्छा खासा काम का अंतराल आता है। इसी समस्या का समाधान निकालने के लिए एक महिला ने अपने पति से कॉन्ट्रैक्ट पर साइन करवाए हैं। महिला ने कहा है कि अगर पति उसे तलाक देता हैतब अगले 15 साल तक उसे भुगतान करेगा। ये पैसा उसके सीवी में आए गैप के लिए मुआवजे की तरह होगा। महिला ने मामले में सोशल मीडिया पर जानकारी दी है। हालांकि कुछ लोगों को उसका ये फैसला गलत लग रहा है तब कई उसकी तारीफ करते नहीं थक रहे। महिला के टिकटॉक पर 26 हजार से ज्यादा सब्सक्राइबर्स हैं। जिसपर महिला ने पति से साथ किए कॉन्ट्रैक्ट को दिखाया है। वीडियो को अभी तक 6.3 मिलियन से ज्यादा लोगों ने देख लिया है।

जोशीमठ की तरह महा आपदा से जूझ रहा है अफीका भूमि में पड़ी कई किमी लंबी दरार

नैरोबी । उत्तराखंड के जोशीमठ में भूधंसाव की घटना सामने आने के बाद से दहशत का माहौल है। शहर पर ध्वस्त होने का खतरा मंडरा रहा है लेकिन इस तरह के खतरे से सिर्फ जोशीमठ या भारत के पहाड़ी शहर नहीं गुजर रहे हैं। एक पूरा महाद्वीप दो हिस्सों में बंटता जा रहा है और यह प्रक्रिया कई साल से चल रही है। कहा जा रहा है कि भले ही इसमें करोड़ों साल लगें लेकिन अंततः अफ्रीका दो हिस्सों में बंट जाएगा। सन 2018 में भारी बारिश के बाद दक्षिण-पश्चिमी केन्या में कई किमी लंबी एक बड़ी दरार अचानक नजर आई थी। इस घटना ने दुनियाभर की मीडिया का ध्यान अपनी ओर खींचा था। यह दरार पूर्वी अफ्रीकी दरार घाटी क्षेत्र में स्थित थी। नेशनल ज्योग्राफिक के अनुसार यह दरार 50 फीट से अधिक गहरी और 65 फीट चौड़ी है। दरार बनने से नैरोबी-नारोक हाईवे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था। द कन्वर्सेशन की 2018 की रिपोर्ट के अनुसार पृथ्वी एक परिवर्तनशील ग्रह है भले इस पर होने वाले बदलाव हमें पता न चलते हों। प्लेट टेक्टोनिक्स इसका सबसे अच्छा उदाहरण है। लेकिन हर बार कुछ न कुछ नाटकीय होता रहता है और इसने अफ्रीका के दो हिस्सों में बंटने को लेकर नए सिरे से सवाल खड़े कर दिए हैं। वैज्ञानिकों ने आशंका जाहिर की थी कि भविष्य में इस दरार का विस्तार हो सकता है और अंततः अफ्रीका दो महाद्वीपों में टूट जाएगा। छोटे महाद्वीप में सोमालिया और केन्या के कुछ हिस्से इथियोपिया और तंजानिया शामिल होंगे। जबकि बड़े महाद्वीप में बाकी देश शामिल होंगे। एरिज़ोना स्टेट यूनिवर्सिटी के भूविज्ञानी क्रिस्टी टिल ने कहा कि इसी तरह की एक दरार अंततः अटलांटिक महासागर बनाने के लिए अफ्रीकी और दक्षिण अमेरिकी महाद्वीपों को अलग कर देगी। पूर्वी अफ्रीका में दिखी दरार इसके शुरुआती चरण हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया बहुत धीरे-धीरे होती है और इसमें लाखों साल लगते हैं। दरार पैदा होने से कुछ दिन पहले इलाके में भूकंपीय गतिविधि दर्ज की गई थी। धरती का ऊपरी हिस्सा क्रस्ट और मेंटल से बना होता है। इसे लिथोस्फेयर कहते हैं। यह कई टेक्टॉनिक प्लेटों में बंटा होता है जो अलग-अलग स्पीड से आगे बढ़ती रहती हैं। ये प्लेट्स लिथोस्फेयर के नीचे मौजूद एस्थेनोस्फेयर के ऊपर खिसकती हैं जिससे डायनैमिक फोर्स पैदा होता है। यह फोर्स कभी-कभी प्लेट्स को तोड़ देता है जिससे धरती में दरारें पड़ जाती हैं।

जापान में गरजे भारत के सुखोई युद्धक विमान 11 दिन तक चलेगा संयुक्त युद्धाभ्यास

टोक्यो । चीन और रूसी हमले के खतरे का सामना कर रहे जापान में भारतीय वायुसेना के सुखोई-30 फाइटर जेट ने गरजना शुरू कर दिया है। जापान और भारत के बीच पहला संयुक्त फाइटर जेट अभ्यास सोमवार को शुरू हो गया है। यह अभ्यास राजधानी टोक्यो के पास हो रहा है। भारत और जापान ने चीनी सेना के हमले के संयुक्त खतरे को देखते हुए रक्षा और सुरक्षा संबंधों को मजबूत करने का फैसला किया है। इससे पहले रूस और चीन के फाइटर जेट और परमाणु बॉम्बर ने जापान की सीमा के पास से उड़ान भरकर उसे डराने का प्रयास किया था।

भारत और जापान के बीच आज से शुरू हुआ हवाई युद्धाभ्यास 11 दिनों तक चलेगा। इस युद्धाभ्यास में जापानी वायुसेना के 8 फाइटर जेट और भारत के 4 फाइटर जेट तथा दो ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट और एक हवा में ईंधन भरने वाले टैंकर को भेजा है। जापान के रक्षा मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी है। भारतीय वायुसेना के 150 जवान भी इस अभ्यास में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे हैं। यह अभ्यास टोक्यो के पूर्वोत्तर इलाके में स्थित इबारकी प्रांत में हयाकुरी एयर बेस पर चल रहा है। यह सुखोई-30 फाइटर जेट है जो चीन और रूस दोनों ही इस्तेमाल करते हैं। इससे जापान को इन विमानों से निपटने के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है।

वेनेजुएला में बढ़ती महंगाई के बीच ही शिक्षकों और सरकारी कर्मचारियों ने वेतन बढ़ाने की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

संयुक्त राष्ट्र में चीन ने नहीं दिया पाक का साथ मक्की को ग्लोबल आतंकी घोषित करने में नहीं डाला अडंगा

न्यूयार्क । संयुक्त राष्ट्र ने पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के उप प्रमुख अब्दुल रहमान मक्की का नाम वैश्विक आतंकवादियों की काली सूची में डाल दिया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अल-कायदा प्रतिबंध समिति ने सोमवार को मक्की का नाम अपनी प्रतिबंधित सूची में शामिल कर लिया। इस सूची में शामिल लोगों की संपत्ति जब्त करने उन पर यात्रा और हथियार संबंधी प्रतिबंध लगाने का प्रावधान किया गया है। चीन ने पिछले साल जून में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1267 अल-कायदा प्रतिबंध समिति के तहत मक्की को एक ग्लोबल आतंकी घोषित करने के लिए भारत और अमेरिका के संयुक्त प्रस्ताव को अंतिम क्षण में बाधित कर दिया था। मक्की को अमेरिका पहले ही एक आतंकवादी घोषित कर चुका है। इस बार चीन ने मक्की का बचाव नहीं किया इस वजह से उसे वैश्विक आतंकी घोषित कर दिया गया। वह लश्कर-ए-तैयबा के सरगना एवं 26/11 मुंबई हमले के मुख्य साजिशकर्ता हाफिज सईद का रिश्तेदार है।

मार्टिन लूथर किंग ने समानता की आवाज बुलंद की उनकी विरासत अमूल्य : कमला हैरिस

- भारतीय अमेरिकियों ने मार्टिन लूथर किंग की विरासत को बताया अमूल्य

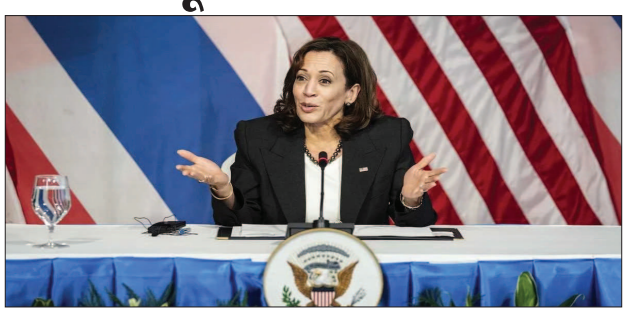

वाशिंगटन (एजेंसी)। उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस सहित भारतीय अमेरिकियों ने नागरिक अधिकारों के नेता मार्टिन लूथर किंग जूनियर की विरासत को अमूल्य बताते हुए कहा कि देश को मतदान करने की स्वतंत्रता और सभी की आजादी के लिए लड़ाई जारी रखनी चाहिए। अश्वेतों के लिए नागरिक अधिकारों की लड़ाई लड़ने वाले किंग का जन्म 15 जनवरी 1929 को जॉर्जिया के अटलांटा में हुआ था। हैरिस ने कहा डॉ मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने नस्ली न्याय आर्थिक न्याय और उस स्वतंत्रता पर जोर दिया जो इन सभी की राहें खोलती है यानी मतदान करने की स्वतंत्रता। उन्होंने कहा आज हम जिस व्यक्ति की विरासत का जश्न मना रहे हैं उसने सबके लिए समानता की आवाज बुलंद की उसकी विरासत अमूल्य है और उसका सही मायने में सम्मान करने के लिए हमें वोट देने की स्वतंत्रता और सभी की आजादी के लिए लड़ाई जारी रखना चाहिए। उन्होंने कहा डॉ मार्टिन लूथर किंग जूनियर की विरासत का जश्न मनाते हुए आइए हम सभी एक बेहतर निष्पक्ष अधिक न्यायसंगत दुनिया के निर्माण के लिए फिर से प्रतिबद्ध हों।

भारतीय अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने कहा मार्टिन लूथर किंग जूनियर के सपने को पूरा करने के लिए अभी लंबा रास्ता तय करना है। सांसद रो खन्ना ने कहा हम मार्टिन लूथर किंग जूनियर का सम्मान करते हैं जो हमारे देश के इतिहास में न्याय और मानवाधिकारों के महानतम समर्थकों में से एक हैं। जब हम उनकी विरासत पर विचार करते हैं तो हम आने वाली पीढ़ियों के लिए अधिक समान और न्यायपूर्ण अमेरिका बनाने के लिए फिर से प्रतिबद्धता जताते हैं।

सांसद प्रमिला जयपाल ने कहा कि डॉ किंग जैसे नेता एक पीढ़ी में एक बार आते हैं। उन्होंने हमें मुश्किल वक्त में सपने देखने और एकजुट होने का पाठ पढ़ाया। रिपब्लिकन पार्टी की नेता निक्की हेली ने कहा कि मार्टिन लूथर किंग के शब्द अनंत काल तक याद रखे जाएंगे कि हमें अपने देश की चुनौतियों का मिलकर सामना करना होगा। हममें से सभी अपना एक छोटा हिस्सा इसके लिए योगदान करेंगे। इस बीच अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू भारतीय अमेरिकी समुदाय के कई सदस्यों के साथ किंग के गृह नगर जॉर्जिया के अटलांटा पहुंचे और वहां किंग सेंटर में उन्हें श्रद्धांजलि दी। संधू ने किंग को अमेरिकी नागरिक अधिकार आंदोलन का नेता और अहिंसा की वकालत करने वाला बताया।

मेरे सिख धर्म को लेकर पार्टी के कुछ नेता मुझे निशाना बना रहे : हरमीत ढिल्लों

वाशिंगटन (एजेंसी)। रिपब्लिकन नेशनल कमेटी (आरएनसी) के अध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल भारतीय अमेरिकी अटॉर्नी हरमीत ढिल्लों ने आरोप लगाया है कि उनके सिख धर्म से संबंधित होने के कारण पार्टी के कुछ नेता उन्हें निशाना बना रहे हैं। ढिल्लों ने कहा कि वह हार नहीं मानेंगी और शीर्ष पद की दौड़ में बनी रहेंगी। कैलिफोर्निया रिपब्लिकन पार्टी की पूर्व सह-अध्यक्ष ढिल्लों (54) के सामने इस पद के लिए प्रभावशाली नेता एवं आरएनसी की अध्यक्ष रोन्ना मैक्डेनियल की चुनौती है। ढिल्लों ने कहा कि उनके धर्म को लेकर उन पर हो रहे हमले उन्हें या उनकी टीम को आरएनसी में जवाबदेही पारदर्शिता अखंडता एवं शालीनता के नए मानकों सहित सकारात्मक बदलाव लाने से नहीं रोक सकते हैं।

ढिल्लों ने कहा कि उन्हें कई धमकी भरे ट्वीट मिले। उन्होंने कहा ''आज धमकियां मिल रही हैं। रोन्ना के एक समर्थक ने डॉ. मार्टिन लूथर किंग जूनियर की विरासत संबंधी मेरे संदेश का जवाब दिया और मुझे ''खीझ पैदा करने वाले'' संदेश भेजने से मतदाताओं को नहीं रोकने पर परिणाम भुगतने की धमकी दी (मेरी टीम में किसी ने भी किसी सदस्य से संदेश भेजने को नहीं कहा है)। उन्होंने अपने सत्यापित ट्विटर खाते 'पंजाबन' पर ट्वीट किया ''मेरी टीम के एक अन्य व्यक्ति को आरएनसी को सर्वाधिक धन देने वालों के बारे में सवाल उठाने के लिए आरएनसी सलाहकार से धमकी भरा फोन आया।

रिपब्लिकन नेशनल कमेटी (आरएनसी) के अध्यक्ष पद का चुनाव 27 जनवरी को होगा। पिछले हफ्ते एक रिपोर्ट में कहा था कि विरोधियों ने ढिल्लों के सिख धर्म को लेकर चिंता जाहिर की है जिससे समिति के कुछ सदस्य व्यथित हो गए है। ढिल्लों ने कहा कि ''यह जानकर दुख होता है कि आरएनसी के कुछ सदस्यों ने मेरे सिख धर्म को मेरे खिलाफ एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करके आरएनसी के संचालन के लिए मेरे उपयुक्त होने पर सवाल उठाया है।'' मैक्डेनियल ने धर्म के आधार पर इस प्रकार के हमलों की निंदा की है।

कंगाल पाकिस्तान के बदले राग पीएम मोदी से वार्ता को बेकरार

-वार्ता के लिए संयुक्त अरब अमीरात भारत को मना सकता

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ ने भारत से तीन युद्ध लड़कर सबक पाने की बात कही है। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा कि हमने तीन युद्ध लड़े हैं और इन जंग से बहुत सबक सीखे हैं। उन्होंने भारत से वार्ता की अपील की है। उन्होंने कहा कि मैं पीएम नरेंद्र मोदी से अपील करता हूं कि वे पाकिस्तान से बातचीत को गंभीरता से लेकर कश्मीर सहित अहम मुद्दों पर चर्चा करें। यही नहीं उन्होंने इस्लामिक देश संयुक्त अरब अमीरात से गुहार लगाई कि वह भारत और पाकिस्तान को वार्ता की मेज पर लाने में अहम रोल अदा कर सकता है।

इंटरव्यू में पीएम शरीफ ने कहा भारत के नेतृत्व और पीएम मोदी को मेरा संदेश है कि वार्ता की मेज पर आएं। गंभीर मुद्दों पर चर्चा करें और कश्मीर जैसे मसलों का हल निकाला जाए। हालांकि इस दौरान शरीफ ने कश्मीर का राग भी अलापा और कहा कि वहां आए दिन मानवाधिकारों के उल्लंघन हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत को दुनिया को यह संदेश देना चाहिए कि वह बातचीत के लिए तैयार है। इस इंटरव्यू में शरीफ ने कई बार पीएम नरेंद्र मोदी का जिक्र किया और नरम तेवर में नजर आए।

हमेशा भारत को परमाणु युद्ध की धुड़की देने वाले पाकिस्तान का यह रवैया बता रहा है कि वह कितना नरम पड़ चुका है। गहरे आर्थिक संकट और दिवालिया होने की कगार पर पहुंचे पाकिस्तान की इस नरमी को उसकी कमजोर आर्थिक स्थिति से तुलना की जा रही है। पीएम शरीफ ने कहा कि भारत और पाकिस्तान पड़ोसी देश हैं हमें साथ ही रहना होगा। शरीफ ने कहा कि हम दोनों देश परमाणु शक्ति हैं और यदि गलती से भी इनका इस्तेमाल हुआ तब कोई यह बताने के लिए भी शायद ही बचे कि आखिर क्या हुआ था।

60 वर्षों में पहली बार घटी चीन की आबादी, 2022 में मौतों की संख्या जन्म से अधिक, दुनिया के लिए इसका क्या मतलब है?

बीजिंग (एजेंसी)। नेशनल ब्यूरो ऑफ स्टैटिस्टिक्स द्वारा जारी एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के सबसे अधिक जनसंख्या वाले देश चीन की आबादी में ऐतिहासिक गिरावट देखी गई है। इसकी जन्म दर में 60 से अधिक वर्षों में पहली बार गिरावट दर्ज की गई है। सांख्यिकी ब्यूरो ने कहा कि चीन की जनसंख्या (विदेशियों को छोड़कर) 2022 में 850,000 लोगों की गिरावट के साथ 1.41 बिलियन हो गई। सीएनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार देश ने 2022 के लिए 9.56 मिलियन जन्म और 10.41 मिलियन मौतों हुईं।

राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो के अनुसार मुख्य भूमि चीन की आबादी (विदेशियों को छोड़कर) 2021 के अंत में 480,000 से बढ़कर 1.41 बिलियन हो गई थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो के आंकड़ों से पता चला है कि 2021 में नए जन्मों में 13प्र. की गिरावट आई है और 2020 में इसमें 22प्र. की गिरावट आई है। इस बीच, देश के स्वास्थ्य अधिकारियों ने खुलासा किया कि 8 दिसंबर, 2022 और 12 जनवरी, 2023 के बीच चीनी अस्पतालों में कोविड-19 से लगभग 60,000 लोगों की मौत हुई।

दुनिया के लिए इसका क्या मतलब है?

घटती जनसंख्या चीन में जनसांख्यिकीय संकट का संकेत हो सकती है। द न्यूयॉर्क टाइम्स ने बताया कि पिछले साल छह दशकों में पहली बार मौतों की संख्या जन्म से अधिक थी। नेशनल ब्यूरो ऑफ स्टैटिस्टिक्स के आंकड़ों ने 2022 में चीन में 9.56 मिलियन जन्म दिखाए, जबकि 10.41 मिलियन लोगों की मौत हुई। यह पहली बार था कि 1960 के दशक की शुरुआत के बाद से चीन में मृत्यु जन्म से अधिक थी, जब माओत्से तुंग के असफल आर्थिक प्रयोग, ग्रेट लीप फॉरवर्ड ने बड़े पैमाने पर अकाल और मृत्यु को बढ़ाया। विशेषज्ञों ने न्यूयॉर्क टाइम्स को बताया कि जीवन प्रत्याशा में लंबे समय से चल रही वृद्धि के साथ, चीन को एक जनसांख्यिकीय संकट में धकेल रही है, जिसका परिणाम इस सदी में होगा, न केवल चीन और इसकी अर्थव्यवस्था के लिए बल्कि दुनिया के लिए भी।

पाकिस्तान में बढ़ते खाद्य संकट के बीच पीओके में सरकार विरोधी प्रदर्शन हुए तेज, भारत के साथ जुड़ने की माँग कर रहे लोग

इस्लामाबाद (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान के बारे में जो कहा था वो सच साबित हुआ। सर्जिकल और एयर स्ट्राइक से पाकिस्तान की सारी हेकड़ी निकालने वाले प्रधानमंत्री मोदी के बारे में जनता को विश्वास है कि वह एक दिन पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर को वापस लेकर आयेंगे। जनता देख चुकी है कि मोदी है तो मुमकिन है यह कोई महज चुनावी नारा नहीं बल्कि हकीकत बन चुका है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर इस समय इसलिए चर्चा में है क्योंकि वहां जिस तरह से जनता भारत के साथ जुड़ने को आतुर हो रही है उससे भारत का काम आसान हो सकता है।

हम आपको बता दें कि भोजन की कमी और बढ़ती महंगाई पर हफ्तों के गुस्से ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के हालात को और खराब कर दिया है। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में इस समय आंदोलन उग्र हो गये हैं और लोग पाकिस्तान सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मांग कर रहे हैं कि इस क्षेत्र को भारत को सौंप दिया जाये। गिलगित बाल्टिस्तान क्षेत्र में भी बड़े पैमाने पर सरकार विरोधी प्रदर्शनों ने उग्र रूप ले लिया है। पीओके के लगभग सभी हिस्सों में लोगों ने सरकार के खिलाफ अपनी नाराजगी व्यक्त करने के लिए राजमार्गों को अवरुद्ध कर दिया और टायर जलाए। पीओके में प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना है कि हम सड़कों पर इसलिए हैं क्योंकि आटा नहीं है, भोजन नहीं है। लोगों का कहना है कि गेहूं की कीमत आसमान छू रही है और सरकारी राशन की दुकानें बंद कर दी गयी हैं। स्थानीय जनता का कहना है कि पीओके के लोग भारत के साथ आने को तैयार हैं। देखा जाये तो इस समय पूरा पाकिस्तान खाद्य संकट से जूझ रहा है लेकिन पीओके और गिलगित बाल्टिस्तान के लोगों की मुश्किलें सबसे ज्यादा बढ़ी हुई हैं क्योंकि इन क्षेत्रों के लोगों के साथ पाकिस्तान सरकार की ओर से पहले से ही भेदभाव किया जाता रहा है और इस संकट के समय इन्हें भूखा मरने के लिए छोड़ दिया गया है। पीओके के सामाजिक कार्यकर्ता अमजद अयूब मिर्जा का कहना है कि इस क्षेत्र के वकील, नागरिक समाज के लोगों, छात्रों और महिलाओं का गुस्सा जिस तरह बढ़ रहा है और उनके मन में भारत के प्रति प्रेम जिस तरह बढ़ रहा है उसको देखते हुए पीओके जल्द ही पाकिस्तान के हाथ से निकल सकता है।

हम आपको यह भी बता दें कि इस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक भाषण का क्लिप पाकिस्तान में खूब वायरल हो रहा है। इस क्लिप में मोदी को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि मैं पाकिस्तान की सारी हेकड़ी निकाल दूँगा और उसे कटोरा लेकर भीख मांगने पर मजबूर कर दूँगा। देखा जाये तो मोदी की यह बात एकदम सही साबित हो गयी है। पाकिस्तान दुनिया भर में कटोरा लेकर भीख मांग रहा है और उसकी हेकड़ी ऐसी निकली है कि वहां के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ अब कह रहे हैं कि हम शांति के साथ रहने को तैयार हैं और भारत के साथ अच्छे संबंध चाहते हैं।

शहबाज शरीफ ने कहा है कि पाकिस्तान सबक सीख चुका है और अब वह शांति से रहना चाहता है। एक साक्षात्कार में शहबाज शरीफ ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हर

समस्या पर बातचीत के लिए तैयार होने की बात भी कही है। शाहबाज शरीफ ने कहा है कि मैं भारतीय नेतृत्व और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील करता हूं कि हमें बातचीत की मेज पर बैठकर हर मुद्दे को हल करने का प्रयास करना चाहिए। शहबाज शरीफ ने कहा है कि हम पड़ोसी हैं। यह हमारे ऊपर है कि हम शांति से रहें। प्रगति करें या फिर एक दूसरे से लड़ाई करें और समय तथा संसाधनों को बर्बाद करें। शहबाज शरीफ ने साक्षात्कार में कहा है कि हम भारत के साथ तीन युद्ध लड़ चुके हैं और यह हर बार और कंगाली, गरीबी और लोगों के लिए बेरोजगारी लाया है। उन्होंने कहा कि हम अपना सबक सीख चुके हैं और अब शांति से रहना चाहते हैं। लेकिन शहबाज शरीफ ने बातचीत का प्रस्ताव रखते-रखते कश्मीर का राग फिर अलापा और कहा कि वहां अत्याचार बंद होने चाहिए। इस बयान को सुनकर कहा जा सकता है कि पाकिस्तान की रस्सी जल गयी पर बल नहीं गया है।

संपादकीय

शरीफः प्रधानमंत्री या प्रधानभिक्षु?

भारत के विरूद्ध पाकिस्तान की फौज और सरकार ने इतनी नफरत कूट-कूटकर भर दी है कि उस राष्ट्र का ध्यान खुद को संभालने पर बहुत कम लग पाता है। इसी नफरत के दम पर पाकिस्तानी नेता चुनावों में अपनी गोटी गरम करते हैं। वे कश्मीर का राग अलापते रहते हैं और फौज को अपने सिर पर चढ़ाए रखते हैं।

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज़ शरीफ आजकल प्रधानमंत्री कम प्रधानभिक्षु बनकर देश-विदेश के चक्कर लगा रहे हैं। कुछ दिन पहले उन्हें सउदी अरब जाकर अपना भिक्षा-पात्र फैलाना पड़ा। तीन-चार दिन पहले वे अबू धाबी और दुबई आए हुए थे। संयोग की बात है कि दो-तीन दिन के लिए मैं भी दुबई और अबू धाबी में हूं। यहां के कई अरबी नेताओं से मेरी बात हुई। पाकिस्तान की दुर्दशा से वे बहुत दुखी हैं लेकिन वे पाकिस्तान पर कर्ज लादने के अलावा क्या कर सकते हैं? उन्होंने 2 बिलियन डॉलर जो पहले दे रखे थे उनके भुगतान की तिथि आगे बढ़ा दी है और संकट से लड़ने के लिए 1 बिलियन डॉलर और दे दिए हैं। शाहबाज़ की झोली को पिछले हफ्ते भरने में सउदी अरब ने भी काफी उदारता दिखाई थी। लेकिन पाकिस्तान की झोली में इतने बड़े-बड़े छेद हैं कि ये पश्चिम एशियाई राष्ट्र तो क्या उसे चीन और अमेरिका भी नहीं भर सकते। इन छेदों का कारण क्या है? इनका असली कारण है- भारत। भारत के विरूद्ध पाकिस्तान की फौज और सरकार ने इतनी नफरत कूट-कूटकर भर दी है कि उस राष्ट्र का ध्यान खुद को संभालने पर बहुत कम लग पाता है। इसी नफरत के दम पर पाकिस्तानी नेता चुनावों में अपनी गोटी गरम करते हैं। वे कश्मीर का राग अलापते रहते हैं और फौज को अपने सिर पर चढ़ाए रखते हैं। आम जनता रोटियों को तरसती रहती है लेकिन उसे भी नफरत के गुलाब जामुन कश्मीर की तश्तरी में रखकर पेश कर दिए जाते हैं। पिछले हफ्ते शाहबाज शरीफ कजाकिस्तान और संयुक्त अरब अमारात गए। वहां भी उन्होंने कश्मीर का राग अलापा। उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री से बात करने की पहल की जो कि अच्छी बात है लेकिन साथ में ही यह धमकी भी दे डाली कि अगर दोनों देशों के बीच युद्ध हो गया तो कोई नहीं बचेगा। दोनों के पास परमाणु बम हैं। शाहबाज ने अबू धाबी के शासक से कहा कि भारत से आपके रिश्ते बहुत अच्छे हैं। आप मध्यस्थता क्यों नहीं करते? एक तरफ वे मध्यस्थता की बात करते हैं और दूसरी तरफ वे भारत से कहते हैं कि आप संयुक्तराष्ट्र संघ के प्रस्ताव के मुताबिक कश्मीर हमारे हवाले कर दो। पाकिस्तान के दो-तीन प्रधानमंत्रियों से मेरी बहुत ही मैत्रीपूर्ण बातचीत में मुझे पता चला कि उन्होंने संयुक्तराष्ट्र के उस प्रस्ताव का मूलपाठ कभी पढ़ा ही नहीं है। उन्हें यह पता ही नहीं है कि उस प्रस्ताव में कहा गया है कि पाकिस्तान पहले तथाकथित 'आज़ाद कश्मीर' को खाली करे। शाहबाज को चाहिए था कि वे आतंकवाद के विरूद्ध भी कुछ बोलें। लेकिन ऐसा लगता है कि अबू धाबी में उन्होंने जो कुछ कहा है वह यहां के शासकों को खुश करने के लिए कहा है। यह शाहबाज़ शरीफ की ही नहीं सभी पाकिस्तानी नेताओं की मजबूरी है कि जो लोग उनकी झोली में कुछ जूठन डाल देते हैं उन्हें कुछ न कुछ महत्व तो देना ही पड़ता है। आखिर में खाली भिक्षा-पात्र को भरा जाना ही है हर शर्त पर! इसीलिए दोनों नेताओं के संयुक्त वक्तव्य में शाहबाज़ के उक्त बयान का जिक्र तक नहीं है।

कविता

"हिंद की शान हिंदी"

भारत का अभिमान है हिंदी,
हिंद की शान है हिंदी।
देवनागरी लिपि कहते हैं,
सांस्कृतिक पहचान है हिंदी।।

वर्णमाला के 52 वर्णों का,
ये समावेश, विहंगम है।
11 स्वर, 41 व्यंजन का,
ये अद्भुत सा संगम है।।

सबसे पुरातन संस्कृत भाषा,
जिसने हिंदी को जन्म दिया।
पाली, प्राकृतिक, अपभ्रंश, अवहट्ट,
ने देवनागरी का रूप लिया।।

अवधी, छत्तीसगढ़ी, बघेली,
ब्रज, हरियाणवी, कन्नौजी, बुंदेली ।
मेवाती, मेवाड़ी और जयपुरी,
मगही, मैथिली और भोजपुरी।।

उपभाषाओं के मंथन होने से,
हिंदी का आविर्भाव हुआ।
जैसे हिमालय के गोमुख से,
गंगा का प्रादुर्भाव हुआ।।

जैसे युवती के सोलह श्रृंगार में,
आकर्षक श्रृंगार है बिंदी।
भाषाई उद्बोधन में भी,
अभूतपूर्व अवतार है हिंदी।।

राजभाषा हिंदी के गौरव को,
विश्व व्यापी पहचान दिलाएं।
हम सब मिल कर दीप जलाएं,
प्रकाश विश्व में फैलाएं।।

हिंदी पुनः सुसज्जित हो,
आर्यावर्त सुशोभित हो।
विजय! चेतना भाषा की,
सर्वविदित प्रतिष्ठित हो।

लेखक :
विजयसिंह
(बलिया उत्तरप्रदेश)

जोशीमठ त्रासदी से सबक ले बने विकास-पर्यटन नीति

डॉ. संजय वर्मा

अपनी प्राकृतिक सुंदरता से मोहते पहाड़ हर जगह एक जैसे नहीं होते। अगर होते तो आल्प्स की चोटियों को निहारने वाला कोई पर्यटक हिमालय में धूनी रमाए योगियों को देखने भला क्यों आता। अपनी भौगोलिक संरचनाओं से लेकर खूबसूरत वादियों और जंगलों-झरनों तक में पहाड़ों में फर्क महसूस किया जा सकता है। यह अंतर पहाड़ की नींव और जमीन में भी होता है। कहीं तो जमीन के भीतर ठोस चट्टानें हैं, तो कहीं भुरभुरी कमजोर मिट्टी जो जरा-सा दबाव पड़ते भीतर धंस जाती है। ये संदर्भ आज हमें जिस पहाड़ की तरफ ले जाते हैं, वह हिमालय की गोद में बसा आदि शंकराचार्य की तपस्थली और चार धामों में एक ज्योतिर्पीठ के रूप में विख्यात उत्तराखंड का ज्योतिर्मठ या जोशीमठ है, जिसका एक हिस्सा तेजी से धंस रहा है। धंसते शहर की त्रासदी यह है कि यहां रहने वाले करीब सात सौ परिवारों के घर दरारों से पट गए हैं और ढहने का खतरा देखते हुए उनमें रहने वालों को राहत शिविरों में भेज दिया गया है। धंसती इमारतें नजदीकी भवनों के लिए खतरा न बन जाएं, इसलिए उन्हें ढहाने का काम भी शुरू हो चुका है। जोशीमठ धंस रहा है, यह चर्चा बीते कई महीनों से थी। पर इधर जब एक के बाद एक करके छह-सात सौ घरों, होटलों, आंगनबाड़ी केंद्र और तमाम इमारतों में फर्श, दीवारों में दरारें चौड़ी होने लगीं और भीतर से इनका दरकना-टूटना शुरू हो गया तो लोगों के पास वहां से बाहर निकल कोई और आसरा खोजने के सिवा कोई अन्य विकल्प नहीं बचा। यह एक भूकंप है जिसे पहले से बूझ लिया गया है। राहत सिर्फ इतनी है कि इस भूकंप से जान का कोई नुकसान नहीं होगा, बशर्ते अपनी जिंदगी भर की कमाई से बनाए घर से बेघर होने पर ठंड उसे न मार दे। सरकार-प्रशासन के स्तर पर राहत शिविर बनाने, जांच कमेटी गठित करने, प्रशासनिक अधिकारियों को बचाव कार्य के निर्देश जारी करने, मुख्यमंत्री के दौरे और प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से सक्रियताएं दिखने के अलावा एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों की तैनाती जैसे प्रबंध कर दिए गए हैं। पर जोशीमठ के दरकने की घटना कोई पहली बार नहीं हो रही है। सिर्फ जोशीमठ ही क्यों, समूचा उत्तराखंड या कहें हिमालय इससे पहले भी टूटता-फूटता-धंसता-दरकता या यूं कहें कि घायल होता रहा है। ज्यादा दूर क्यों जाएं, वर्ष 2013 की 15-16 जून को घटित केदारनाथ त्रासदी को याद कर लें। थोड़ा और पास आएं तो उत्तराखंड के चमोली जिले में दो साल पहले फरवरी, 2021 में तपोवन इलाके के गांव रैणी में ग्लेशियर फटने की घटना को देख लें। सप्तऋषि और चंबा नाम के दो पहाड़ों के बीच स्थित ग्लेशियर फटा तो नीचे स्थित ऋषिगंगा में सूनामी आ गई। ऋषिगंगा का यह सैलाब आगे बढ़कर धौलीगंगा में मिला और उस पर मौजूद एनटीपीसी के पावर प्रोजेक्ट को नुकसान पहुंचाने के अलावा वहां काम कर रहे मजदूरों, नजदीकी मुरिंडा नामक जंगल में घास काटने गई महिलाओं समेत 50 से ज्यादा लोगों को लील गया। ये आंकड़े तो सरकारी हैं, बताते हैं कि ऋषिगंगा में आई बाढ़ 150 से 200 मौतों का सबब बनी थी। एनटीपीसी की एक पनबिजली परियोजना जोशीमठ में भी है, जिसके लिए शहर के नीचे एक टनल बनाई जा रही है। कहने वाले कह रहे हैं कि यह टनल ही पहाड़ के दरकने की मूल वजह है। उधर, एक रोपवे प्रोजेक्ट भी है, जिसके खंबों के नीचे से ही बताते हैं कि पहाड़ की दरार शुरू हुई है और वहां से खिंचते-खिंचते शहर में उतर आई है। इसलिए बहस तेज है कि विकास के लिए पहाड़ पर बम की तरह बरसता इंसानी दखल ही जोशीमठ की रौनक बुझाने वाला साबित हो रहा है। हो सकता है कि जोशीमठ का मामला कुछ दिनों में शांत हो जाए या फिर सरकारी पराक्रम से मीडिया की सुर्खियों में रहने लायक न रह जाए, पर ऐसी दखलंदाजी पर देश की सर्वोच्च अदालत के आदेश पर बनी पर्यावरण एवं वन मंत्रालय की 11 सदस्यीय विशेषज्ञ संस्था आज से नौ साल पहले जो बात कह चुकी है, उस पर हमें कान देने चाहिए। केदारनाथ त्रासदी (16-17 जून, 2013 की दरम्यानी रात) की जांच के लिए बनाई गई इस विशेषज्ञ संस्थान संस्था ने 2014 में अपनी रिपोर्ट दी और उसमें कहा था कि उत्तराखंड में मौजूद और जारी निर्माणाधीन जल विद्युत परियोजनाएं पहाड़ में हो रहे विनाश के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं। उत्तराखंड में विकास का ताजा घटनाक्रम वहां बने ऑल वेदर हाईवे (रोड) प्रोजेक्ट से संबंधित है, पर उसके आगे-पीछे भी तमाम ऐसी गतिविधियां इस पर्वतीय राज्य में चल रही हैं जिन्होंने प्रकृति और वहां रह रहे लोगों को त्राहिमाम कहने को मजबूर कर दिया है। हमारे देश में, खासकर उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश आदि पर्वतीय राज्यों में आज हर पर्यटन स्थल दुकानों से भरा हुआ है। जरा सोचिए कि जिस पहाड़-जंगल में ऊंची आवाज में बोलना इसलिए वर्जित माना जाता है ताकि वहां के वन्यजीवों और शांति में खलल न पड़े, वहां केदारनाथ के लिए गर्जना करते हेलीकॉप्टरों की सतत आवाजाही (कपाट खुलने-बंद होने तक) जारी रहती है। तीर्थ क्षेत्र में आक्रामक पर्यटन के वास्ते बन रही परियोजनाएं कहीं ज्यादा नुकसान कर रही हैं। हालांकि जोशीमठ के धंसने-दरकने के कुछ कारण और हैं। एक आकलन यह भी है कि जोशीमठ शहर का एक बड़ा हिस्सा करीब 500 मीटर ऊंची ऐसी पहाड़ी पर बसा है जहां अतीत में भी भूस्खलन और भूधंसाव की घटनाएं होती रही हैं। यहां की जमीन चूंकि खोखली है, इसलिए वह खिसकती और धंसती रहती है। इससे जमीन के ऊपर बने मकानों में जब-तब दरारें उभरने लगती हैं। साल 2006 में आई एक वैज्ञानिक रिपोर्ट में कहा गया था कि जोशीमठ प्रतिवर्ष एक सेंटीमीटर धंस रहा है। चूंकि पर्यटकों की आमद में इधर के वर्षों में कुछ ज्यादा ही इजाफा हुआ है, ऐसे में जोशीमठ में होटलों और घरों की संख्या में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई है। यह दबाव वहां की मिट्टी झेल नहीं पा रही है। असल में इन मामलों में यह देखने की जरूरत है कि किसी स्थान विशेष की दबाव सहने की कितनी क्षमता है। वस्तुतः किसी स्थान की यह क्षमता इस पर निर्भर करती है कि वहां का पानी कैसा व कितना है, हवा कैसी है, जंगल-जमीन कैसी है। यह ठीक वैसा ही है, जैसे किसी इंसान की दबाव सहने की एक निश्चित सीमा होती है। जब पर्यटकों और तीर्थयात्रियों की संख्या बढ़ती है तो लोग निजी तौर पर होटल-रिसॉर्ट बनाते हैं और सरकार-प्रशासन सड़कों-पुलों का प्रबंध करते हैं। इस तरह यह प्रक्रिया रुकने की बजाय लगातार जारी रहती है। इस प्रक्रिया में पहले भीड़ नजर आती है, सड़कों पर वाहनों की वजह से ट्रैफिक जाम दिखाई देता है, फिर हवा, पानी, जमीन प्रदूषित होती है। अंततः पहाड़ों का दरकना, नदियों में बाढ़ आना और ग्लेशियरों-बादलों का फटना शुरू होता है। समस्या की जड़ को सुलझा लेंगे, तो शायद यह कहने की हालत में होंगे कि ज्योतिर्मठ की ज्योति हमेशा जलती रहेगी और यह शहर कभी भी ऐसे तबाह नहीं होगा कि बदरीनाथ का रास्ता रोक दे।

लेखक बेनेट यूनिवर्सिटी में एसोसिएट प्रोफेसर हैं।

इजराइल में न्यायपालिका के अधिकारों को नियंत्रित करने के विरोध में जनसैलाब सड़कों पर

(लेखक-सनत जैन)

इजराइल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलटने और सुप्रीम कोर्ट के अधिकारों को नियंत्रित करने के लिए एक प्रस्ताव जारी किया है। यदि यह प्रस्ताव संसद में पारित हो जाएगा। तो सरकार को सुप्रीम कोर्ट के फैसले को रद्द करने का अधिकार मिल जाएगा। संसद में जिस किसी सरकार के पास जब भी बहुमत होगा। वह सुप्रीम कोर्ट के फैसले को अपने अनुसार बदल सकेगी। सरकार के इस प्रस्ताव पर इजरायल की जनता सड़कों पर आ गई है। इजराइल के नागरिकों का मानना है कि इससे देश का लोकतंत्र और सुप्रीम कोर्ट की न्याय प्रणाली कमजोर हो जाएगी। भ्रष्टाचार बढ़ेगा और अल्पसंख्यकों के अधिकारों में मनमानी शुरू हो जाएगी। सरकार मनमाने कानून लागू कर लोकतांत्रिक व्यवस्था खत्म कर तानाशाही करेगी। इजरायल की जनता हजारों की संख्या में सड़कों पर आ चुकी है वह बेंजामिन नेतनयाहू की तुलना रूसी राष्ट्रपति पुतिन से कर रही है।

यह तो हुई इजराइल की बात भारत में भी कुछ इसी तरीके की स्थिति देखने को मिल रही है। भारत में न्यायपालिका को लेकर आम आदमियों में विश्वास बना हुआ है। पिछले 2 वर्षों से कॉलेजियम प्रणाली को लेकर जिस तरह से सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में जजों की नियुक्ति सरकार अपने हिसाब से करना चाहती है। उसको लेकर सुप्रीम कोर्ट के साथ विवाद बढ़ता ही जा रहा है। हाल ही में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनकर ने जिस तरह से कॉलेजियम सिस्टम को बदलने की बात कही है। इसके बाद सरकार और सुप्रीम कोर्ट के बीच में पिछले 2 वर्षों से चल रहा विवाद अब अपने चरम पर पहुंच गया है। इस मसले पर उपराष्ट्रपति जयदीप धनखड़ सबसे ज्यादा विपक्ष और मीडिया के निशाने पर हैं। उन्होंने पश्चिम बंगाल के राज्यपाल रहते हुए जिस तरह से निर्वाचित प्रतिनिधियों और सरकार के फैसले को रोका था। वह राज्यपाल की भूमिका में सरकार के अधिकारों को नियमित करते हुए मुख्यमंत्री और मंत्रीमंडल के अधिकारों को सुपरसीड करने लगे थे । अब वही विधायिका को सुप्रीम बताकर अदालत के अधिकारों को कम करने की बात कह रहे हैं। वर्तमान केंद्र सरकार द्वारा विभिन्न प्रदेशों में जो भी राज्यपाल और उपराज्यपाल हैं। वह निर्वाचित प्रतिनिधियों को काम नहीं करने दे रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में यह नजारा लगभग लगभग हर प्रदेश में देखने को मिल रहा है। कॉलेजियम की अनुशंसा 2 वर्षों से सरकार के पास लंबित पड़ी हैं। सरकार उन्हीं जजों के बारे में निर्णय ले रही है जो उनकी विचारधारा अथवा केंद्र सरकार के साथ सद्भाव रखते हैं। बाकी अनुशंशा को लंबित रखते है। जबकि समयनुसार दूसरी बार कॉलेजियम की अनुशंशा मानने सरकार बाध्य है।

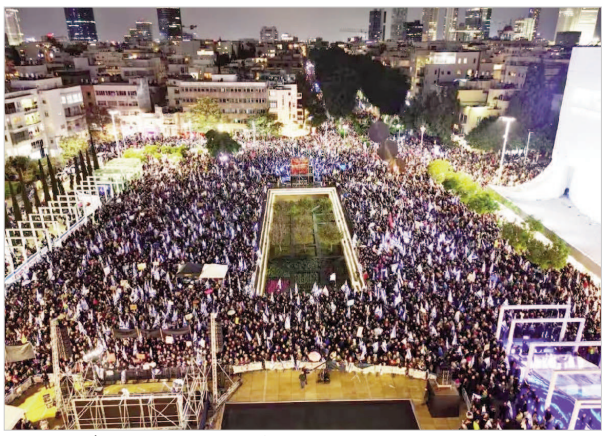

भारत में जिस तरह से सरकार और सुप्रीम कोर्ट में जजों की नियुक्ति को लेकर विवाद हो रहा है। उससे आम जनता भी कहीं ना कहीं प्रभावित हो रही है। आम जनता अभी भी सबसे ज्यादा भरोसा न्यायपालिका पर हो करती है। वर्तमान स्थिति में यदि इसमें फेरबदल किया गया तो इजरायल जैसी स्थिति भारत में भी बन सकती है।

भारत में संविधान में वर्णित मौलिक अधिकारों से छेड़छाड़ करने का अधिकार ना तो विधायिका के पास है। और ना ही न्यायपालिका के पास है। पिछले 75 वर्षों में कई मौकों पर यह स्पष्ट हो चुका है। ऐसी स्थिति में न्यायपालिका के साथ सरकार का टकराव को देखते हुए यदि आमजन का विश्वास न्यायपालिका से घटा तो स्थितियां विस्फोटक हो सकती हैं। आस्था और विश्वास पर ही संविधान और लोकतंत्र टिका हुआ है। यह सभी राजनीतिक दलों और सरकारों को समझना होगा। हमारे संविधान निर्माताओं ने ब्रम्हा-विष्णु और महेश के रुप में आदिशक्ति के स्वरुप पर संविधान का निर्माण कर चेक एण्ड बेलेन्स की अवधारणा पर लोकतंत्र की स्थापना की थी। जैसे ब्रम्हा विष्णु और महेश में कोई सर्वोपरि नहीं है।

इसी तरह न्यायपालिका विधायिका और कार्यपालिका की जिम्मेदारी तय है। सभी को अपनी सीमा और सम्मान का स्वयं ध्यान रखना होगा।

(चिंतन-मनन)

द्वंद्व के बीच शांति की खोज

केवल ज्ञान की बातें करों। किसी व्यक्ति के बारे में दूसरे व्यक्ति से सुनी बातें मत दोहराओ। जब कोई व्यक्ति तुम्हें नकारात्मक बातें कहे तो उसे वहीं रोक दो उस पर वास भी मत करो। यदि कोई तुम पर कुछ आरोप लगाये तो उस पर वास न करो। यह जान लो कि वह बस तुम्हारे बुरे कर्मो को ले रहा है और उसे छोड़ दो। यदि तुम गुरु के निकटतम में से एक हो तो संसार के सारे आरोपों को हंसते हुए ले लोगे। द्वद्व संसार का स्वभाव है और शांति आत्मा का स्वभाव है। द्वद्व के बीच शान्ति की खोज करो। द्वद्व समाप्त करने की चेष्टा द्वद्व को और ज्यादा बढ़ाती है। आत्मा की शरण में आकर विरोध के साथ रहो। जब शान्ति से मन ऊबने लगे तो सांसारिक क्रिया-कलापों का मजा लो। और जब इनसे थक जाओ तो आत्मा की शान्ति में आ जाओ। यदि तुम गुरु के करीब हो तो दोनों क्रिया कलाप साथ-साथ करोगे। ईश्वर व्यापक हैं। और अन्नत काल से ईश्वर सभी विरोधों को संभालते आए हैं। यदि ईश्वर सारे विरोधों को ले सकते हैं तो निश्चित ही तुम भी ऐसा कर सकते हो। जैसे ही तुम विरोध के साथ रहना स्वीकार कर लेते हो विरोध स्वत- समाप्त हो जाता है। शान्ति चाहने वाले लोग लड़ना नहीं चाहते और इसके विपरीत लड़ाई करने वाले शान्ति पसन्द नहीं करते। शान्ति चाहने वाले लड़ाई से बचना चाहते हैं। आवश्यक यह है कि मन को शांत करें और फिर लड़ें। गीता की यही मूल शिक्षा है। कृष्ण अजरुन को उपदेश देते हैं कि अजरुन युद्ध करो मगर हृदय को शान्त रखकर। संसार में जैसे ही तुम एक विरोध को समाप्त करते हो तो दूसरा खड़ा हो जाता है। उदाहरण के लिए जैसे ही रूस की समस्या समाप्त हुई बोस्निया की समस्या खड़ी हो गई। एक समस्या हल होती है तो दूसरी शुरू हो जाती है। तुम्हें जुकाम हुआ। वह जरा ठीक हुआ नहीं कि फिर कमर में दर्द शुरू हो गया। फिर यह ठीक हो गया। और तो और शरीर ठीक ठाक है तो मन अशान्त हो जाता है। बिना किसी इरादे के गलतफहमियां पैदा होती हैं उलझन पैदा होती है। यह तुम्हारे ऊपर नहीं कि तुम उनका समाधान करो। तुम तो बस उन पर ध्यान न दो बस जीवन्त रहो।

ये टिप्स अपनाएंगे तो हर कोई हो जाएगा आपके पर्सनैलिटी का फैन

आप पर्सनालिटी डेवलपमेंट शब्द को परिभाषित करने का प्रयास करते हैं तो आपके मन में क्या ख्याल आता है? क्या आपको लगता है अच्छे कपड़े पहनना या अंग्रेजी बोलना या फिर लोगों से मिलना पर्सनालिटी डेवलपमेंट है? तो जवाब मिलेगा नहीं। केवल यह शब्द मिलकर पर्सनालिटी डेवलपमेंट का कार्य नहीं करते बल्कि कई ऐसी चीजें हैं जो पर्सनालिटी डेवलपमेंट का कार्य करते हैं। आइए कुछ टिप्स के विषय में जान लेते हैं जो पर्सनैलिटी डेवलपमेंट का कार्य करते हैं।

कॉन्फिडेंस बनाएं रखें

किसी भी कार्य को आसान करने का सबसे पहला मंत्र है कॉन्फिडेंस। अगर आप किसी भी काम करते समय कॉन्फिडेंस रखते हैं तो आप किसी भी समस्या का हल ढूंढ सकते हैं। कॉन्फिडेंस से भरे लोगों से हर व्यक्ति आकर्षित हो जाता है। अगर आप अपनी पर्सनालिटी को अच्छे से डेवलप करना चाहते हैं को खुद में कॉन्फिडेंस बिल्ड करने का प्रयास करें। कॉन्फिडेंस बढ़ाने के लिए आप ज्यादा से ज्यादा पढ़ना शुरू करें और नए-नए विषयों को एक्सप्लोर करना शुरू करें।

हर विषय पर ओपिनियन बनाने का प्रयास करें

अगर आप खुद को दूसरों से अलग बनाना चाहते हैं तो प्रयास करें कि आप हर विषय में अपना एक ओपिनियन बनाएं ताकि कभी आपसे पूछा जाए तो आप जवाब दे सकें। लेकिन ध्यान रखें कि बिना मांगे ओपिनियन देने से आपकी पर्सनालिटी को नेगेटिव रूप में भी प्रदर्शित कर सकता है।

अच्छे श्रोता बनें

हम हमेशा उन लोगों को दूसरे के मुकाबले अधिक तवज्जो देते हैं जो हमारी बातों को सुनते हैं। कई लोग ऐसा मानते हैं कि अच्छा श्रोता होना एक अच्छे व्यक्तित्व की निशानी है। अगर आप भी अपनी पर्सनालिटी को बेहतर बनाना चाहते हैं तो लोगों को सुनना शुरू करें और एक अच्छा श्रोता बनने का प्रयास करें।

बॉडी लैंग्वेज को सुधारें

पर्सनैलिटी डेवलपमेंट के लिए बॉडी लैंग्वेज पर काम करना बेहद जरूरी है। आपकी बॉडी लैंग्वेज भी आपके बारे में कई बातें बताती है। आपके चलने, बैठने, बातें करने या खाने के तरीके सहित सब कुछ आपके आस-पास के लोगों पर प्रभाव डालता है। अच्छी बॉडी लैंग्वेज एक अच्छी पर्सनालिटी की तरफ कार्य करती है।

बहुत बड़ा है एविएशन इंडस्ट्री का दायरा

अगर आप भी एविएशन इंडस्ट्री में अपना करियर बनाने की सोच रहे हैं, लेकिन अपने आप को पायलट व केबिन क्रू बनने के काबिल नहीं पाते, तो निराश मत हो, क्योंकि इसके अलावा भी अब इस सेक्टर में कई डिपार्टमेंट ऐसे हैं जहां आप अपना करियर बना सकते हैं। ज्यादातर लोग एविएशन क्षेत्र के दायरे को पायलट, एयर होस्टेज व केबिन क्रू तक सीमित कर देते हैं, लेकिन इसका दायरा बहुत बड़ा है। आप इस इंडस्ट्री में एयरपोर्ट मैनेजमेंट, एयरपोर्ट ग्राउंड स्टाफ, फ्लाइट इंजीनियर, एयर टिकटिंग, एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स, एयर कार्गो मैनेजमेंट, मीटिरियोलॉजिस्ट आदि जॉब प्रोफाइल पर भी कार्य कर सकते हैं।

ग्राउंड स्टाफ

एविएशन इंडस्ट्री में ग्राउंड स्टाफ महत्वपूर्ण होते हैं। इनका कार्य एयरपोर्ट की साफ-सफाई के साथ उसके रखरखाव करना है। एयरपोर्ट पर प्लेन जब उतर जाता है, तो उसके बाद पैसेंजरों की सुविधा और सुरक्षा का ध्यान रखना होता है। इसके साथ ही एयरपोर्ट पर सामान ढुलाई और माल स्टॉक का कार्य भी ग्राउंड स्टाफ को ही कराना होता है। ग्राउंड स्टाफ की एयरपोर्ट पर अलग-अलग कार्य की जिम्मेदारी संभालते हैं। एयरपोर्ट ग्राउंड स्टाफ में करियर बनाने के लिए आप एयरपोर्ट मैनेजमेंट से रीलेटेड सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, बैचलर और मास्टर लेवल के कोर्स कर इस फील्ड में प्रवेश कर सकते हैं। 12वीं के बाद आप इस सेक्टर में प्रवेश कर सकते हैं।

एयर कार्गो मैनेजमेंट

इस जॉब प्रोफाइल पर रहकर करियर बनाने के लिए आपको डिप्लोमा इन इंटरनेशनल एयर कार्गो मैनेजमेंट कोर्स करना होगा। जिसमें आप एविएशन हिस्ट्री एवं जियोग्राफी के अतिरिक्त कार्गो लॉ, कस्टम्स रूल्स, वेयरहाउसिंग, एयरक्राफ्ट लिमिटेशन व लोडिंग कैपेसिटी, क्लीयरेंस प्रोसिजर, क्लेम रूल्स, बीमा और फ्री ट्रेड जोन जैसे विषयों से रूबरू होंगे। इस क्षेत्र में भी प्रवेश के लिए आपको न्यूनतम 12वीं की शैक्षणिक योग्यता होना जरूरी है। यह कोर्स आपको 6 माह से 1 वर्ष तक का होता है।

एयर टिकटिंग

एविएशन के एयर टिकटिंग में करियर बनाने के लिए न्यूनतम 12वीं की शैक्षणिक योग्यता के साथ 18 वर्ष से ऊपर की आयु होनी चाहिए। न्यूनतम 6 माह से 9 माह तक की अवधि वाले कोर्स डिप्लोमा इन एयर टिकटिंग एंड ट्रैवल मैनेजमेंट में ट्रैवल एजेंसी बिजेनस, वर्ल्ड टाइम जोन, एयरपोर्ट व एयरलाइन कोड्स, पेमेंट मोड्स, फॉरेन करेंसी, पासपोर्ट व वीजा आदि का प्रशिक्षण दिया जाता है।

फ्लाइट इंजीनियर

एविएशन के क्षेत्र में फ्लाइट इंजीनियर का कार्य बहुत अहम होता है। प्लेन के सभी पुर्जों की जांच करना इनकी जिम्मेदारी होती है। इसके लिए इलेक्ट्रॉनिक्स इलेक्ट्रिकल्स, मैकेनिकल, एयरोनॉटिकल या कम्प्यूटर में से किसी एक में ग्रेजुएशन होना जरूरी है। अगर आपके पास फ्लाइट इंजीनियर का ग्राउंड पाठ्यक्रम या एयर क्राफ्ट इंजीनियर लाइसेंस या सीपीएल है तो आप अप्लाई कर सकते हैं। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि आपने 12वीं विज्ञान विषयों से पास की हो और आपकी उम्र तीस साल से ज्यादा ना हो, तो आप इसमें करियर बना सकते हैं।

एयर ट्रैफिक कंटोलर्स

एविएशन के क्षेत्र में यह एक और महत्वपूर्ण जॉब प्रोफाइल है। एयरपोर्ट पर बने टॉवर से एयर ट्रैफिक कंटोलर्स हर वक्त प्लेन की उड़ानों पर नजर रखते हैं। इस फील्ड में करियर बनाने के आपको रेडियो इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रोनिक इंजीनियरिंग बीटेक या डिप्लोमा करना होगा।

मीटिरियोलॉजिस्ट

एविएशन में मीटिरियोलॉजिस्ट का भी बड़ा रोल होता है। इसमे कैरियर बनाने के लिए अगर आपके पास मौसम विज्ञान, भौतिक, कम्प्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक्स, गणित और दूरसंचार में ग्रेजुएशन व पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री है तो आप इसके लिए अप्लाई करने योग्य हैं।

टूर एंड ट्रैवल

अगर आप एविशन के क्षेत्र में रहकर अतिरिक्त कमाई करना चाहते हैं तो टूर एंड ट्रैवल आपके लिए बेस्ट होगा, इस क्षेत्र में आपको बहुत काम मिलेगा। इस क्षेत्र में आने के लिए आप 6 माह का सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर तीन वर्षीय बैचलर इन ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट और उसके बाद पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स भी कर सकते हैं।

यहां से कर सकते हैं कोर्स

- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एरोनॉटिक्स, नई दिल्ली
- फ्रांकलिन एविएशन एकेडमी, दिल्ली
- विंग्स कॉलेज ऑफ एविएशन टेक्नोलॉजी, पुणे
- ए जे एविएशन एकेडमी, मुम्बई
- राजीव गांधी एविएशन एकेडमी, हैदराबाद
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एरोनॉटिक्स सांइस, जमशेदपुर
- हिंदुस्तान एविएशन एकेडमी, बंगलूरू

इंश्योरेंस इंडस्ट्री में करियर बनाना है बेहद आसान

इंश्योरेंस इंडस्ट्री एक ऐसी इंडस्ट्री है जो पिछले कुछ सालों से लगातार तेजी से विस्तार कर रही है, जिसके चलते एक्चुरियल प्रोफेशनल्स की डिमांड काफी बढ़ गया है। अगर आप भी इंश्योरेंस सेक्टर में करियर बनाने का सोच रहे हैं तो यह समय काफी अच्छा है, खास कर कोरोना के बाद इंश्योरेंस के हेल्थ सेक्टर में बूस्ट आया है। आज के समय लगभग हर परिस्थिति से निपटने के लिए बीमा कंपनियों के पास पॉलिसी हैं। जीवन बीमा, यात्रा बीमा, वाहन बीमा, स्वस्थ्य बीमा तथा गृह बीमा इनमें सबसे ज्यादा प्रचलित हैं।

एजुकेशन

इस क्षेत्र में जाने के लिए आप 12वीं व ग्रेजुएशन के बाद भी जा सकते हैं, लेकिन विषय का पूरा ज्ञान लेने के लिए एक्चुरियल साइंस से संबंधित कोर्सेस में स्नातक डिग्री के लिए मैथ्स या स्टेटिस्टिक्स में 55 प्रतिशत अंकों के साथ बारहवीं पास होना आवश्यक है जबकि पीजी डिप्लोमा, मास्टर्स डिग्री और सर्टिफिकेट कोर्स के लिए मैथ्स-स्टेटिस्टिक्स, इकोनॉमेट्रिक्स सब्जेक्ट से स्नातक जरूरी है। स्टूडेंट्स, इंस्टीट्यूट ऑफ एक्चुरीज ऑफ इंडिया को मेंबर के तौर पर भी ज्वाइन कर सकते हैं। एक्चुरी प्रोफेशनल बनने के लिए स्टूडेंट्स को एक्चुरियल सोसाइटी ऑफ इंडिया का फेलो मेंबर होना जरूरी है। यह संस्थान इसमें कोर्सेस भी कराता है।

इंश्योरेंस का कार्य क्षेत्र

इसके लिए मैथ्स और स्टैटिस्टिक्स के मेथड्स का इस्तेमाल करके इंश्योरेंस और फाइनेंस इंडस्ट्री में जोखिम का अनुमान लगाते हैं। एक्चुरियल प्रोफेशनल्स यह हिसाब लगाते हैं कि किसी पॉलिसी होल्डर को प्रीमियम के तौर पर कितनी राशि का भुगतान करना होगा या किसी कंपनी को पेंशन या रिटर्न पर कितना खर्च करना होगा। प्रोफेशनल का काम अचानक घटी घटना के आर्थिक प्रभाव का अंदाजा लगाने का भी होता है। आज इस क्षेत्र से जुड़े प्रोफेशनल्स को इंश्योरेंस इंडस्ट्री का बैकबोन भी कहा जाने लगा है।

स्किल व एलिजिबिलिटी

इस क्षेत्र में कार्य करने के लिए खुद को अपडेट रखना जरूरी है। खुद में लोगों की परेशानी को समझने, नई तकनीक सीखने में हिचकिचाहट न होने, कम्युनिकेशन के साथ मैथ और स्टेटिस्टिक्स पर पकड़ मजबूत रखने जैसे स्किल का होना जरूरी है। अपनी योग्यता के आधार पर आप एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर एंड असिस्टेंट्स डेवलपमेंट ऑफिसरए इंश्योरेंस एजेंटए इंश्योरेंस सर्वेयरए एक्चुरी मैनेजरए रिस्क मैनेजर जैसे पदों पर काम कर सकते हैं।

जॉब्स के अवसर

अगर आपके पास एक्चुरियल साइंस की डिग्री है तो आपके लिए इन दिनों नौकरियों के लिए कई रास्ते खुल गए हैं। इंश्योरेंस, बैंकिंग, बीपीओ-केपीओ, आईटी सेक्टर, मल्टीनेशनल कंपनियों, फाइनेंशियल कंपनियों आदि में इनके लिए अच्छे मौके होते हैं। दूसरी तरफ, बीपीओ कंपनी में भी जोखिम के बारे में विश्लेषण करने के लिए बड़े पैमाने पर एक्चुरियल प्रोफेशनल्स की हायरिंग होती है। बीपीओ में काम करने वाले एक्चुरी प्रोफेशनल्स की सैलरी भी आम बीपीओ एंप्लॉइज की तुलना में दो से तीन गुना अधिक होती है।

भारत में संभावनाएं इसलिए भी अधिक हैं, क्योंकि वैश्विक ग्राहकों को कम संसाधन और न्यूनतम लागत में अच्छी सुविधाएं मुहैया करा रहे हैं। वहीं एक्चुरियल प्रोफेशनल्स की डिमांड सरकारी और प्राइवेट इंश्योरेंस कंपनियों में ही नहीं, बल्कि टेरिफ एडवाइजरी कमिटी, इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी, सोशल सिक्योरिटी स्कीम, फाइनेंशियल एनालिसिस फर्म में भी है।

सैलेरी

इस क्षेत्र में आप फ्रेशर के तौर पर प्रतिमाह 20 से 30 हजार रुपये तक आसानी से पा सकते हैं। वहीं अनुभव व समय के साथ किसी उच्च पद पर पहुंचने पर आप 1 लाख रुपये का मासिक वेतनमान भी ले सकते हैं। यदि आपने किसी टॉप कॉलेज से एमबीए इन इंश्योरेंस किया है तो आप अपनी फर्स्ट जॉब में ही ज्यादा बेहतर वेतनमान की अपेक्षा कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

कालेज ऑफ वोकेशनल स्टडीज, दिल्ली विश्वविद्यालय
एकेडमी ऑफ इंश्योरेंस मैनेजमेंट, दिल्ली
बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, दिल्ल
इंश्योरेंस इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, मुंबई
एक्चुरियल सोसाइटी ऑफ इंडिया
अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़
यूनिवर्सिटी ऑफ पुणे, पुणे
एमिटी स्कूल ऑफ इंश्योरेंस एंड एक्चुरियल साइंस, नोएडा

इन तरीकों से खुद को कर सकते हैं जॉब में मोटिवेट

आज के दौर में जब जॉब की इतनी बहुतायत है, वहीं लोगों में उस जॉब को पानी के लिए जरूरी स्किल्स की कमी है। अक्सर ऐसा देखने में आता है कि कुछ लोगों में अपनी सब्जेक्ट की नॉलेज तो है, पर कहीं न कहीं कई ऐसी वजहें होती है जो उन्हें अपने फील्ड में बहुत अच्छा करने से रोकती हैं। ये लोग डिमोटिवेट होते हैं। तो आइए जानते हैं खुद को मोटिवेट कैसे किया जाए

- खुद को शांत रखना सीखिए। ऐसा करने से आपका दिमाग ठीक तरीके से काम करता है और आप किसी भी समस्या का सामना कर सकते हैं।
- ऐसे विचारों को माइंड में कभी न लाएं जो आपके किसी अच्छे काम को प्रभावित करें। हम अक्सर दूसरों से राय लेने में नहीं चूकते। जब कुछ नया करने जा रहे होते हैं। अब यह निर्भर करता है कि जिससे आपने राय ली है, वह आपका हित चाहने वाला है या नहीं, तो तुरंत किसी की बात को न मानें। उस पर विचार करें। उसके बाद ही कोई कदम उठाएं।
- अगर आप किसी काम के लिए जा रहे हों तो अपने डर पर विजय हासिल करें। कॉन्फिडेंट रहिए, डर दूर करने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप सामने वालों को भी अपनी ही तरह एक आम इंसान ही समझें। सोचिए कि अगर आप किसी ऊंची पोस्ट पर होते हैं तो सब आपके हाथ में होता।
- जब आप कोई इंटरव्यू के लिए जा रहे हों तो ये सोचिए कि आप कई इंटरव्यू दे चुके हैं। भले ही यह आपका पहला इंटरव्यू रहो। इससे आपका कॉन्फिडेंस हाई रहेगा। अपनी सक्सेस को हमेशा अपने साथ लेकर चलें। यह कभी न सोचें कि अगर सिलेक्शन न हुआ तो।
- जब आप किसी इंटरव्यू के लिए जाएं तो अपना बेस्ट देने की कोशिश करें। अपनी कमियों को खुद पर हावी न होने दें। जो भी स्किल या नॉलेज आपके पास है उसे बेहतर ढंग से एक्सप्रेस करें।
- साफ-सुथरी बात सभी को अच्छी लगती है। आपका बात करने का अंदाज विनम्र होना चाहिए। साथ ही स्पष्ट और कम शब्दों में होना चाहिए।

क्या है आर्कियोलॉजी? किस कोर्स के बाद मिलेगी हाई सैलरी

अगर आप इतिहास से लगाव रखते हैं और आप रोमांच के साथ रहस्य से पर्दा उठाना चाहते हैं। साथ ही आपमें ऐतिहासिक चीजों को जानने और उनके बारे में तरह-तरह की जानकारियां पता करने की इच्छा है तो आप आर्कियोलॉजिस्ट के तौर पर अपना करियर बना सकते हैं। इतिहास और भूगोल के रहस्यों से पटे भारत में इसके अच्छे हड़प्पा सभ्यता के बाद से भारत में ऐतिहासिक खोज न के बराबर हुई है और फिलहाल इतिहास संबंधित खोज को लेकर एक बड़ा वैक्यूम यहां बना हुआ है, जो बड़े आइडियाज और क्रिएटिविटी का इंतजार कर रहा है। इसके साथ ही दुनियाभर में शोध के लिए आर्कियोलॉजी के विद्यार्थियों की मांग है।

क्या है आर्कियोलॉजी

पृथ्वी पर छपी पुरानी सभ्यता और संस्कृति का वैज्ञानिक दृष्टिकोण से अध्ययन करना व उनकी खोज करना आर्कियोलॉजी कहलाता है। आर्कियोलॉजी में उस इतिहास के बारे में यह जानने की कोशिश की जाती है कि पुरानी सभ्यताओं में लोगों का रहन- सहन कैसा था। किस तरह की वस्तुओं का वो इस्तेमाल करते थे। अनुमानों लेकर तत्कालीन समाज और परिवेश के आकलन का काम भी एक आर्कियोलॉजिस्ट को करना होता है। साथ ही वह कार्बन डेटिंग और समय गणना का काम भी करता है। सभी तरह के ऐतिहासिक वस्तु या सभ्यता के वर्तमान से जुड़ाव और विकास के क्रम को निर्धारित करने की जिम्मेदारी भी एक आर्कियोलॉजिस्ट की होती है।

किस तरह का होता है कोर्स

अगर आप इस क्षेत्र में जाना चाहते हैं तो आपको 12वीं की परीक्षा इतिहास विषय के साथ पास करनी होगी। इसके बाद आप आर्कियोलॉजी में डिप्लोमा, बैचलर, मास्टर और पीएचडी पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, जिनमें प्रवेश के लिए अलग-अलग योग्यताएं निर्धारित की गई हैं। इससे जुड़े कोर्स देश के सभी प्रमुख विश्वविद्यालयों से किए जा सकते हैं। मास्टर इन कंजर्वेशनए प्रिजरवेशन एंड हेरिटेज मैनेजमेंट और मास्टर इन आर्कियोलॉजी एंड हेरिटेज मैनेजमेंट जैसे कोर्स इस क्षेत्र में आगे बढ़ने की सीढ़ी हो सकते हैं। इसके अलावा आप हिस्टॉरिकल आर्कियोलॉजी, जिओ आर्कियोलॉजी, आर्कियोबॉटनी, क्रॉनोलॉजिकल, एथनोआर्कियोलॉजी, एक्सपेरिमेंटल ऑर्कियोलॉजी, आर्कियोमेट्री जैसे कोर्स भी कर सकते हैं।

जरूरी योग्यता

एक बेहतरीन आर्कियोलॉजिस्ट अथवा म्यूजियम प्रोफेशनल बनने के लिए प्लीस्टोसीन पीरियड अथवा क्लासिकल लैंग्वेजए मसलन पाली, अपभ्रंश, संस्कृत, अरेबियन भाषाओं में से किसी की जानकारी आपको कामयाबी की राह पर आगे ले जा सकती है। आर्कियोलॉजी न केवल दिलचस्प विषय है बल्कि इसमें कार्य करने वाले प्रोफशनल्स के लिए चुनौतियों में भरा क्षेत्र भी है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए अच्छी विश्लेषणात्मक क्षमताए तार्किक सोचए कार्य के प्रति समर्पण जैसे महत्वपूर्ण गुण जरूर होने चाहिए। कला की समझ और उसकी पहचान भी आपको औरों से बेहतर बनाने में मदद करेगा।

यहां से कर सकते है कोर्स

- आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया
- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी
- दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ हेरिटेज रिसर्च एंड मैनेजमेंट
- कर्नाटक स्टेट यूनिवर्सिटी

जॉब ऑप्शन क्या हैं

आर्कियोलॉजी में कोर्स पूरा करने के बाद आपको जॉब के कई ऑप्शन मिलेंगे। जिनमें मुख्य रूप से भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग, नई दिल्ली, राज्यों में स्थित भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग, विभिन्न संग्रहालय, एनजीओ और यूनिवर्सिटी, विदेश मंत्रालय का हिस्टोरिकल विभाग, शिक्षा मंत्रालय, पर्यटन विभाग, इंडियन काउंसिल ऑफ हिस्टोरिकल रिसर्च आदि।

सैलरी व संभावनाएं

यह ऐक ऐसा क्षेत्र है जहां पर आपको रोमांच और रहस्य के साथ अच्छी सैलरी भी मिलती है। अगर आपने किसी प्राइवेट सेक्टर में जाना चाहते हैं तो आप 30 से 50 हजार रूपये प्रतिमाह की जॉब आसानी से पा सकते हैं, जो अनुभव व आपकी खोज के साथ जॉब प्रोफाइल के हिसाब से लाखों रूपये की सैलरी पा सकते हैं।

गोफर्स्ट से 1199 में करें हवाई यात्रा!

नई दिल्ली । इंडियन एयरलाइन कंपनी गो फर्स्ट एक खास ऑफर लेकर आई है जिसमें आप सिर्फ 1199 रुपए में अपना हवाई टिकट बुक करा सकते हैं। घरेलू टिकट के साथ ही इसमें इंटरनेशनल टिकट भी सस्ते में मिल जाएगा। गोफर्स्ट ने ऑफिशियल ट्वीट में लिखा है कि अब आप सिर्फ 1199 रुपए में घरेलू हवाई यात्रा कर सकते हैं। इसके साथ ही इंटरनेशनल सफर करने के लिए आपको 6599 रुपए खर्च करने होंगे। कंपनी के इस ऑफर में फ्री रिशेड्यूलिंग की सुविधा मिल रही है। इसके साथ ही फ्री कैंसिलेशन का भी फायदा मिलेगा। बताया गया है कि गोफर्स्ट की इस सेल में 1 मिलियन से ज्यादा सीट मिलेंगी जिसके लिए आप बुकिंग कर सकते हैं। इस सेल में 16 जनवरी से लेकर 19 जनवरी 2023 तक बुकिंग कर सकते हैं। इसके साथ ही यात्रा अवधि 4 फरवरी से 30 सितंबर 2023 तक सफर कर सकते हैं। आने वाले 8 महीनों के लिए भी टिकट बुकिंग करा सकते हैं।

दिसंबर में भारत का व्यापार घाटा बढ़कर 24 अरब डॉलर

नई दिल्ली । दिसंबर 2022 में भारत का व्यापार घाटा साल-दर-साल 21.10 बिलियन डॉलर के मुकाबले बढ़कर 23.89 बिलियन डॉलर हो गया। व्यापारिक वस्तुओं का निर्यात भी दिसंबर 2022 में 12 प्रतिशत घटकर 34.48 अरब डॉलर रह गया जो पिछले साल की इसी अवधि में 39.27 अरब डॉलर था। दिसंबर 2022 में आयात भी पिछले वर्ष की इसी अवधि के 60.33 बिलियन डॉलर के मुकाबले घटकर 58.24 बिलियन डॉलर रह गया। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-दिसंबर अवधि के दौरान भारत का कुल निर्यात 9 प्रतिशत बढ़कर 332.76 अरब डॉलर हो गया। इसी अवधि में आयात 25 प्रतिशत बढ़कर 551.7 अरब डॉलर हो गया।

छत्तीसगढ़ में धान खरीदी का पिछला रिकॉर्ड भी टूटा

रायपुर । छत्तीसगढ़ राज्य में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का पिछला रिकॉर्ड भी टूट गया है। 16 जनवरी तक 98.92 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हो चुकी है। जबकि पिछले वर्ष 2021-22 में 98 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हुई थी। धान खरीदी का यह आकड़ा और भी बढ़ेगा क्योंकि धान खरीदी 31 जनवरी तक चलेगी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और खाद्य मंत्री अमरजीत भगत ने कहा कि किसान हितैषी फैसलों और न्याय योजनाओं से किसानों की जेब में सीधा पैसा आया इससे किसानों की समृद्धि के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है। राज्य सरकार ने चालू खरीफ सीजन में 110 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी का लक्ष्य रखा है। धान खरीदी केन्द्रों में दिख रही किसानों की चहल-पहल और धान की आवक से यह अनुमान है कि यह लक्ष्य भी आसानी से प्राप्त हो जाएगा। राज्य में एक नवम्बर से शुरू हुई धान खरीदी का महाभियान निरंतर जारी है। राज्य के 22.32 लाख किसानों ने धान विक्रय किया है। धान के एवज में इन किसानों को 20 हजार 375 करोड़ रूपए का भुगतान बैंक लिंकिंग व्यवस्था के तहत किया गया है। पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी धान खरीदी के साथ-साथ कस्टम मिलिंग के लिए निरंतर धान का उठाव जारी है। अब तक कुल धान खरीदी 98.92 लाख मीट्रिक टन धान में से 84.62 लाख मीट्रिक टन धान के उठाव के लिए डीओ जारी किया गया है जिसके विरूद्ध मिलर्स द्वारा 75 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान का उठाव कर लिया गया है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई । (एजेंसी)

मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार बे बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 562 अंक ऊपर आकर 60655.72 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 158 अंकर बढ़कर 18000 के ऊपर बंद हुआ। इससे निवेशकों को जमकर लाभ हुआ है और उनकी संपत्ति आज करीब 1.23 लाख करोड़ रुपये बढ़ी है। इस दौरान एचयूएल के शेयरों में तीन फीसदी उछाला आया पर नायका के शेयर चार फीसदी गिरे। बीएसई पर स्पेशलिटी रेस्तरां लिमिटेड के शेयरों में 11 फीसदी से अधिक की तेजी दर्ज की गई।

आज सुबह बाजार की अच्छी शुरुआत हुई और उसमें तेज आने लगी जो दिन भर बनी रही। सेंसेक्स सुबह 49 अंकों की बढ़त के साथ 60142 पर खुला जबकि निफ्टी 28 अंक ऊपर आकर 17923 पर खुला और कारोबार शुरू हुआ जबकि गत दिवस बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। निवेशकों ने आज खरीदारी पर बल दिया जिससे भी बाजार उछला है। कारोबार के दौरान बीएसई इंडेक्स के 30 शेयरों में 22 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। लार्सन एंड टुब्रो के शेयर सबसे ज्यादा 3.51 फीसदी ऊपर आये। इसके अलावा हिन्दुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) एचसीएल टेक एचडीएफसी बैंक एचडीएफसी रिलायंस इंडस्ट्रीज टीसीएस पावरग्रिड भारती एयरटेल

अल्ट्राटेक सीमेंट टेक महिंद्रा एनटीपीसी और मारुति के शेयर एक फीसदी बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं एसबीआई बजाज फिनसर्व इंडसइंड बैंक विप्रो टाटा स्टील बजाज फाइनेंस और सन फार्मा के शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए।

बैंकों को कर्ज में नुकसान का मॉडल बनाने की मिल सकती है मंजूरी

मुंबई । बैंकों को कर्ज में नुकसान का अपना अलग मॉडल बनाने की मंजूरी मिल सकती है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की तरफ से भेजे गए एक प्रस्ताव के अनुसार बैंक ऋण देने वाले धन को अलग रखने की नई प्रणाली के तहत पांच साल तक उच्च प्रावधानों को विस्तार दे सकेंगे। आरबीआई ने सार्वजनिक किए गए एक दस्तावेज में कहा कि वह ऋण जोखिम का मॉडल तैयार करने से संबंधित विस्तृत दिशा-निर्देश जारी करेगा जिन पर बैंकों को विचार करना होगा। इसके मुताबिक बैंकों को प्रस्तावित सिद्धांतों के अनुरूप अनुमानित हानि प्रावधानों के उद्देश्य के लिए अपेक्षित ऋण हानि को मापने के लिए अपने मॉडल तैयार कर सकेंगे और उन्हें लागू कर सकेंगे। वर्तमान में बैंक ऋण के प्रावधानों में नुकसान वाले मॉडल का उपयोग करते हैं जिनमें बैंकों को धन बहुत बाद में अलग रखने की जरूरत होती है। पिछले साल सितंबर में गवर्नर शक्तिकांत दास ने घोषणा की थी कि आरबीआई बदलाव कर ऐसी नई प्रणाली अपनाने पर विचार कर रहा है जो अधिक विवेकपूर्ण और भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण वाली होगी।

टाटा मोटर्स किया और हुंदै को इस साल बिक्री में तेजी बरकरार रहने की उम्मीद

मुंबई । टाटा मोटर्स किआ इंडिया और हुंदै को वर्ष 2023 में भी बिक्री की रफ्तार बरकरार रहने की उम्मीद है। पिछले साल डीलरों को इन कंपनियों की आपूर्ति में अच्छी तेजी देखने को मिली थी। हालांकि इन कंपनियों को ऊंचे आधार प्रभाव महंगाई और उच्च ब्याज दरों के दबाव को झेलना पड़ सकता है। टाटा मोटर्स आंतरिक दहन इंजन मॉडलों इलेक्ट्रिक वाहनों और सीएनजी श्रेणी इस साल कई नए वाहनों को पेश करने के कारण मजबूत प्रदर्शन को लेकर आशान्वित है। टाटा मोटर्स ने 2022 में समग्र रूप से पांच लाख से ज्यादा वाहनों की बिक्री की। टाटा ने पिछले साल 43000 के करीब इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री की वहीं इस साल कई नए इलेक्ट्रिक वाहनों के बाजार में पेश होने की उम्मीद है जिससे इस श्रेणी में भी वाहनों की बिक्री बढ़ेगी। टाटा मोटर्स के यात्री वाहनों की बिक्री उद्योग की वृद्धि को पार कर पांच लाख इकाइयों से अधिक रही। किआ इंडिया ने कहा कि कंपनी इस साल भी वृद्धि की उम्मीद कर रही है। पिछले साल लगभग 40 प्रतिशत की वृद्धि की जबकि उद्योग में 23 प्रतिशत की वृद्धि हुई। बाजार में हमारी हिस्सेदारी भी 2021 के 5.9 प्रतिशत से बढ़कर 2022 में 6.7 प्रतिशत हो गई। हुंदै मोटर इंडिया के एक अधिकारी ने कहा कि मैं भारत की अर्थव्यवस्था को अन्य विकसित और विकासशील देशों की तुलना में काफी सकारात्मकता से देखता हूं। भारत अन्य अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में तेजी से प्रगति कर रहा है। इसके अलावा भारत में जनांकिकीय लाभ के साथ-साथ सरकार द्वारा चलाई जा रही अच्छी पहल से भी सहयोग मिल रहा है।

महाराष्ट्र ने दावोस डब्ल्यूईएफ में 45,900 करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापनों पर किए हस्ताक्षर

दावोस/मुंबई, (एजेंसी)

दावोस में बिजनेस मोड में आते हुए, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उनकी टीम ने लगभग 10,000 प्रत्यक्ष रोजगार सृजित करने की क्षमता वाली विभिन्न परियोजनाओं के लिए लगभग 45,900 करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए।मुख्यमंत्री के दल में शामिल उद्योग मंत्री उदय सामंत ने कहा कि पहले दिन सोमवार (16 जनवरी) को राज्य सरकार ने कई बड़े वैश्विक समूह और निवेशकों के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। समारोह में हर्षदीप कांबले, विपिन शर्मा, टी. कृष्णा, श्रेया ऐरेन, आशीष नवाडे जैसे शीर्ष अधिकारी मौजूद रहे। इन निवेशों में बर्कशायर हैथवे होमसर्विसेज ओरेंडा इंडिया (16,000 करोड़ रुपये), आईसीपी इन्वेस्टमेंट्स/इंडस कैपिटल्स (16,000 करोड़ रुपये), ग्रीनको एनर्जी प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड ऑफ तेलंगाना (12,000 करोड़ रुपये), पुणे की निप्रो फार्मा पैकेजिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (1,650 करोड़ रुपये) और ठाणे की रुखी एग्रो फूड्स (250 करोड़ रुपये) शामिल है। शिवसेना (यूबीटी) के मुख्य प्रवक्ता और सांसद संजय राउत ने कहा कि अगर ये सभी निवेश वास्तव में हैं, तो यह राज्य के लिए अच्छा है। राज्य को एक ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था की महत्वाकांक्षी यात्रा पर स्थापित करते हुए, शिंदे 1.40 लाख करोड़ रुपये के कुल 21 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार हैं, जिसका उद्देश्य अगले पांच सालों में 66,500 से अधिक नौकरियां सृजित करना है। सोमवार को हस्ताक्षरित समझौतों के अलावा, स्विट्जरलैंड के दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) में शिंदे की चल रही यात्रा के दौरान डेटा सेंटर, फार्मास्यूटिकल्स, रसद, रसायन, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रिक वाहन, नवीकरणीय ऊर्जा और ईएसडीएम जैसे ग्रीनफील्ड परियोजनाओं में प्रमुख वैश्विक समूहों और निवेशकों के साथ अधिक समझौता ज्ञापन निर्धारित किए गए हैं। उन्होंने सरकार के प्रगतिशील नीतिगत सुधारों का प्रदर्शन किया, जिससे राज्य वैश्विक बातचीत का हिस्सा बन गया, ताकि राजनीतिक नेताओं और वैश्विक निवेशकों को दोहराया जा सके। महाराष्ट्र ने डब्ल्यूईएफ के साथ प्रतिष्ठित तीन वर्षीय प्लेटफॉर्म पार्टनरशिप पर हस्ताक्षर किए हैं, जो राज्य के लिए रणनीतिक महत्व के विषयों पर निरंतर जुड़ाव के लिए एक वाणिज्यिक अनुबंध है। शिंदे ने कहा कि विषय शहरी परिवर्तन के भविष्य को आकार देने वाले स्मार्ट और कनेक्टेड शहरों, शहरी लचीलापन, शासन, बुनियादी ढांचे और सेवाओं और संसाधन प्रबंधन, और नई अर्थव्यवस्थाओं और समाजों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जो उद्यमिता, शिक्षा और कौशल, आर्थिक विकास और नौकरी सृजन पर ध्यान केंद्रित करते हैं। अगले कुछ दिनों में, शिंदे लक्जमबर्ग, सऊदी अरब और सिंगापुर के प्रमुख राजनीतिक और सरकारी प्रतिनिधियों के साथ-साथ महाराष्ट्र की नीतियों को प्रस्तुत करेंगे। भारत में सबसे अधिक औद्योगीकृत राज्यों में, महाराष्ट्र राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में 15 प्रतिशत और देश के औद्योगिक उत्पादन में 16 प्रतिशत का योगदान देता है। राज्य की अर्थव्यवस्था में सर्विस सेक्टर का योगदान राज्य के सकल घरेलू उत्पाद का 62 प्रतिशत तक है, इसके बाद मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर है, जो ऑटोमोबाइल, इंजीनियरिंग, कपड़ा, फार्मास्यूटिकल्स, रसायन, पेट्रोकेमिकल्स, खाद्य प्रसंस्करण और आईटी/आईटीईएस सहित प्रमुख उद्योगों के माध्यम से 20 प्रतिशत योगदान देता है।

सारी दुनिया में राज करने की दिशा में बढ़ा माइक्रोसॉफ्ट

गूगल और एंड्रॉयड जैसे सर्च इंजन डायनासोर की तरह लुप्त होंगे?

नई दिल्ली । (एजेंसी)

माइक्रोसॉफ्ट एआई प्लेटफॉर्म तकनीकी पर तेजी के साथ काम कर रहा है। एआई सिस्टम को लेकर माइक्रोसॉफ्ट बहुत उत्साहित है। माइक्रोसॉफ्ट एआई तकनीकी से कुछ ही सालों में पूरी दुनिया का डिजिटल और ऑनलाइन चेहरा बदल जाएगा। गूगल जैसे सर्च इंजन डायनासोर की तरह विलुप्त होने की कगार में पहुंच जाएंगे। माइक्रोसॉफ्ट ने अपने ओपन एआई परियोजना को शुरू करने के लिए 2019 में 8000 करोड़ का निवेश किया था। उसके बाद 16000 करोड रुपए का निवेश किया था। जल्द ही माइक्रोसॉफ्ट ओपन एआई परियोजना में 80000 करोड़ का निवेश करने जा रही है।

माइक्रोसॉफ्ट के इस कदम से दुनिया के डिजिटल कारोबार पर माइक्रो सॉफ्ट का एक बार फिर से दुनिया भर में एकाधिकार होगा। दुनिया में सबसे बड़ी कमाई करने वाला प्लेटफार्म माइक्रोसॉफ्ट बनेगा। माइक्रोसॉफ्ट ने सबसे पहले कंप्यूटर ऑपरेटिंग सिस्टम यूनिवर्सल तैयार कर सारी दुनिया के देशों में अपनी तकनीकी से सारे पेशेवर डेवलपर को जोड़कर माइक्रोसॉफ्ट को सबसे बड़ी कमाई वाला संस्थान बनाकर सारी दुनिया में एकाधिकार बनाया था।अब उस रिकॉर्ड को भी तोड़ने की तैयारी माइक्रोसॉफ्ट स्वयं कर रहा है। चैटजीपीटी सॉफ्टवेयर (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के माध्यम से मेल से लेकर रिसर्च पेपर तक लिखे जा सकते हैं।यह सॉफ्टवेयर सवालों के जवाब भी देता है।कविताएं भी लिख सकता है। किसी भी विषय पर सटीकता के साथ जवाब दे और लिख सकता है। इस सॉफ्टवेयर के जरिए सर्च इंजन की जरूरत लगभग खत्म हो जाएगी। माइक्रोसॉफ्ट को इसका एकाधिकार होगा। एक तरह से यह जानकारियों के साथ डिजिटल

तकनीकी के माध्यम से मानव मस्तिष्क को नियंत्रित करने की बहुत बड़ी क्षमता प्राप्त कर लेगा। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला का कहना है कि अगले 3 साल में दुनिया भर में मौजूद डेटा का 10 फीसदी हिस्सा एआई जेनरेटेड होगा। यह तकनीकी का सबसे बड़ा स्वर्ण युग होगा।सत्य नडेला को विश्वास है कि नया एआई सिस्टम 60000 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई अगले 3 सालों में करेगा।

भारत 33 गुना अधिक रूसी तेल खरीद रहा

नई दिल्ली । (एजेंसी)

भारत रूस से एक साल पहले की तुलना में 33 गुना अे धिक रूसी तेल की खरीदारी कर रहा है। पिछले महीने भारत ने रूस के अलावे दो अन्य मुख्य आपूर्तिकर्ताओं से भी आयात बढ़ाया है। इराक से तेल की खरीदारी 7 फीसदी बढ़कर लगभग 886000 बैरल प्रति दिन हो गई है जबकि सउदी अरब से 12 फीसदी बढ़कर लगभग 748000 बैरल प्रति दिन हो गई। वोर्टेक्सा लिमिटेड के आंकड़ों के अनुसार दुनिया के तीसरे सबसे बड़े क्रूड आयातक देश भारत ने दिसंबर महीने में रूस से औसतन 10.2 लाख बैरल तेल की खरीदारी की है। यह नवंबर में आयात किए गए तेल से 29 प्रतिशत अधिक है। रूस अब भारत के लिए तेल का सबसे स्त्रोत देश बन गया है। इस मामले में पिछले कुछ महीने के दौरान उसने इराक और सउदी अरब को पीछे छोड़ दिया है। यूक्रेन पर हमले के बाद से भारतीय रिफाइनर सस्ते रूसी कच्चे तेल का इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसी स्थिति रूस के यूक्रेन पर आक्रमण के बाद दुनिया के तेल खरीदारों के रूस से तेल खरीदने से परहेज करने के बाद पैदा हुई है।

महिंद्रा का 20 हजार इलेक्ट्रिक एसयूवी के वितरण का लक्ष्य

नई दिल्ली । (एजेंसी)

महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) लिमिटेड का अपनी इलेक्ट्रिक एसयूवी एक्सयूवी400 के बाजार में आने के पहले साल में 20000 इकाइयां वितरित करने का लक्ष्य है। इसकी शुरुआती कीमत 15.99 लाख रुपए है। कंपनी ने कहा कि सितंबर 2022 में एक्सयूवी400 को पेश किया था। इसे पहले चरण में 34 शहरों में दो संस्करण-ईएल तथा ईसी के साथ पेश किया गया। कंपनी ने कहा कि एक्सयूवी400 की बुकिंग 26 जनवरी 2023 से शुरू होगी। इसके ईएल संस्करण के लिए आपूर्ति मार्च 2023 से और ईसी संस्करण की आपूर्ति दिवाली के समय शुरू होगी। ईसी संस्करण दो चार्जर विकल्पों 3.3 किलवॉट और 7.2 किलोवॉट के साथ उपलब्ध होगा। इसके 3.3 किलोवॉट की कीमत 15.99 लाख रुपए और 7.2 किलोवॉट की कीमत 16.49 लाख रुपए है। वहीं इसके ईएल संस्करण की कीमत 18.99 लाख रुपए है। बयान में कहा गया है कि मॉडल के प्रत्येक संस्करण ईसी और ईएल की शुरुआती कीमतें पहली 5000 बे किंग के लिए ही लागू हैं। एमएंडएम ने कहा कि सेमीकंडक्टरों की मांग और आपूर्ति तथा बैटरी पैक की उपलब्धता के बीच संरचनात्मक अंतर की चुनौतियों के बीच हमने एक्सयूवी400 की पेशकश के एक साल के अंदर ही इसकी 20000 इकाइयां वितरित करने का लक्ष्य रखा है।

सरकार ने पेट्रोल-डीजल के निर्यात पर विंडफॉल टैक्स घटाया

नई दिल्ली । (एजेंसी)

केंद्र सरकार ने विंडफॉल टैक्स में एक बार फिर से संशोधन कर प्रति टन पर 200 रुपए घटाकर 1900 रुपए कर दिया है। विमानों में इस्तेमाल होने वाले ईंधन के निर्यात पर भी एक रुपए प्रति लीटर की दर से विंडफॉल टैक्स घटाया गया है। पहले यह 4.5 रुपए प्रति लीटर था और अब 3.5 रुपए हो गया है। इसके अलावा डीजल के निर्यात पर अतिरिक्त शुल्क को 6.5 रुपए लीटर से घटाकर 5 रुपए प्रति लीटर कर दिया गया है। इस फैसले से रिलायंस ओएनजीसी और गेल जैसी कंपनियों को लाभ होगा। गौरतलब है कि पेट्रोल के निर्यात से विंडफॉल टैक्स काफी पहले हटा दिया गया था। सरकार हर 15 दिन पर विंडफॉल टैक्स की समीक्षा करती है और फिर उसके आधार पर दरों में संशोधन किया जाता है। विंडफॉल सरकारों द्वारा ऐसी कंपनियों पर लगाया जाता है जिन्हें कुछ खास परिस्थितियों के कारण त्वरित और बहुत अधिक लाभ मिल रहा हो। तेल कंपनियों के उदाहरण से समझें तो रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण कच्चे तेल के दाम जब 110 डॉलर प्रति बैरल को पार कर गए थे तब तेल कंपनियों को बहुत फायदा हुआ था। इसी को देखते हुए दुनिया के कई देशों ने अपने यहां तेल कंपनियों पर अतिरिक्त कर लगा दिया था। भारत भी इन देशों में शामिल है।

सिम्फोर्ज इंजीनियरिंग स्टार्टअप से पहले 350 रुपए जेब में थेः निरंजन ओवल

नई दिल्ली। (एजेंसी)

नेशनल स्टार्टअप डे पर भारतीय युवा शक्ति ट्रस्ट के कार्यक्रम में पहुंचे युवा उद्यमी निरंजन ओवल ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, किदिल में अगर कुछ करने का जज्बा हो तो इंसान कुछ भी कर सकता है। सिमफोर्स इंजीनियरिंग के स्टार्टअप से पहले वह एक छात्र थे और उनकी जेब में सिर्फ 350 रुपए थे। आपको बता दें कि निरंजन ओवल की सिम्फोर्ज इंजीनियरिंग नकली कार रेसिंग उत्पादों को सस्ती दरों पर बनाती है।

जिससे कि ज्यादा से ज्यादा लोग खेल में प्रवेश कर सकें।गौरतलब है कि जब 23 और 24 अक्टूबर को मोनाको में पहली बार सिम रेसिंग विश्व कप आयोजित किया गया था। तो टीम इंडिया में दो होनहार ड्राइवर मुहम्मद इब्राहिम और डेल्विश सिंह शामिल थे। सिम रेसिंग या सिम्युलेटेड कार रेसिंग भारत में तेजी से लोकप्रियता हासिल कर रही है और आमतौर पर मॉल के अंदर गेम पार्लर में खेली जाती है। स्टार्टअप सिमफोर्ज इंजीनियरिंग के पुणे स्थित संस्थापक निरंजन ओवल के अनुसार यदि सिम रेसिंग उपकरण अधिक किफायती होते तो देश में अधिक ड्राइवर होते। ओवल का स्टार्टअप यही कर रहा है। अधिक लोगों को खेल में प्रवेश दिलाने के प्रयास में सिमफोर्ज सस्ती दरों पर गुणवत्ता वाले सिम रेसिंग उत्पाद बनाती है। इस साल की शुरूआत में, ओवल ने यूथ बिजनेस इंटरनेशनल (वाईबीआई) द्वारा आयोजित ग्लोबल यूथ एंटरप्रेन्योरशिप समिट में कोविड रेजिलिएंस अवार्ड जीता जो दुनिया भर में 18 से 35 वर्ष के बीच के लोगों को व्यवसाय शुरू करने और संचालित करने में सहायता करता है। वाई बीआई की वेबसाइट के अनुसार, सिम फोर्स ने न केवल महामारी के संघर्ष को दूर किया बल्कि इसे एक अवसर में बदल दिया।

आगे ओवल ने बताया कि हम ग्राहकों का विश्वास हासिल करने में सफल रहे हैं। जिसमें आम लोग भी शामिल हैं और यही वजह है कि पिछले दो सालों में हमारे पास मोटर स्पोर्ट्स के प्रशंसकों की बड़ी संख्या है।

पुणे के एक मॉल में 10 मिनट के लिए सिम रेसिंग करने पर उन्हें 500 रुपये खर्च करने पड़े। निरंजन ने यह महसूस करने के बाद रेसिंग के लिए एक कम लागत वाला सिम्युलेटर बनाने का फैसला किया था।

चीन की आर्थिक वृद्धि दर 2022 में घटकर तीन प्रतिशत हुई

बीजिंग । (एजेंसी)

पिछले साल कोरोना वायरस से निपटने के लिए लगाई गईं पाबंदियों रियल एस्टेट क्षेत्र में मंदी के कारण चीन की आर्थिक वृद्धि दर 2022 में घटकर तीन प्रतिशत पर आ गई है। यह दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में 50 साल में दूसरी सबसे धीमी वृद्धि की रफ्तार है। मंगलवार को जारी किए आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार 2022 में चीन का सकल घरेलू उत्पाद 17940 अरब डॉलर रहा। चीन की जीडीपी वृद्धि दर 5.5 प्रतिशत के आधिकारिक लक्ष्य से काफी नीचे रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि पाबंदियां हटने के बाद से धीरे-धीरे शॉपिंग मॉल और रेस्तरां में लोगों की मौजूदगी बढ़ रही है। वहीं सरकार के अनुसार ऐसा प्रतीत होता है कि संक्रमण की मौजूदा लहर गुजर चुकी है। इससे पहले 1974 में चीन की वृद्धि दर 2.3 प्रतिशत रही थी। उल्लेखनीय है कि इस साल डॉलर मूल्य में चीन की जीडीपी दर 2021 के 18000 अरब डॉलर से घटकर 17940 अरब डॉलर पर आ गई है। चीन की मुद्रा (आरएमबी) की तुलना में डॉलर में मजबूती की वजह से ऐसा हुआ है। आरएमबी में चीन की अर्थव्यवस्था 2022 में 121020 अरब युआन रही जो 2021 में 114370 अरब युआन थी।

आंद्रेई रुब्लेव ने डोमिनिक थिएम को हराया

(एजेंसी) आंद्रेई रुब्लेव ने डोमिनिक थिएम को वर्ष के पहले ग्रैंड स्लेम ऑस्ट्रेलियन ओपन में मंगलवार को पहले दौर में हरा दिया और उनके खिलाफ लगातार पांचवां मुकाबला जीता। रुब्लेव ने थिएम के खिलाफ 6-3, 6-4, 6-2 से जीत हासिल की। थिएम ने 2021 से ऑस्ट्रेलियन ओपन में अच्छी शुरूआत की थी लेकिन पहले दो सेट के देर से हासिल ब्रेक ने इस बार उनकी अच्छी शुरूआत नहीं होने दी। रुब्लेव ने तीसरे सेट में शुरूआत से लेकर अंत तक अपना दबदबा बनाये रखा। रुब्लेव ने यह मैच दो घंटे 10 मिनट में समाप्त किया। उन्होंने मैच में 33 विनर्स लगाए। थिएम 2020 में ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में पहुंचे थे और इस साल उन्हें वाइल्ड कार्ड मिला था।रुब्लेव ने थिएम के खिलाफ 6-3, 6-4, 6-2 से जीत हासिल की। थिएम ने 2021 से ऑस्ट्रेलियन ओपन में अच्छी शुरूआत की थी लेकिन पहले दो सेट के देर से हासिल ब्रेक ने इस बार उनकी अच्छी शुरूआत नहीं होने दी। रुब्लेव ने तीसरे सेट में शुरूआत से लेकर अंत तक अपना दबदबा बनाये रखा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय में जीत से शुरुआत करने उतरेगी टीम इंडिया

दोपहर डेढ़ बजे से शुरु होगा मैच

हैदराबाद ।

श्रीलंका के खिलाफ शानदार जीत के बाद अब भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ यहां बुधवार को होने वाले पहले एकदिवसीय में जीत से शुरुआत करने उतरेगी। इस मैच में युवा विकेटकीपर बल्लेबाज लोकेश राहुल के नहीं होने से ईशान किशन को अवसर मिल सकता है। सलामी बल्लेबाज के तौर पर शुभमन गिल के होने से ईशान को इस मैच में मध्यक्रम में जगह मिल सकती है। शुभमन ने श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में पारी की शुरुआत करते हुए अच्छा प्रदर्शन किया था। ऐसे में उन्हें सलामी बल्लेबाज के तौर पर बरकरार रखे जाने की पूरी संभावनाएं हैं। ईशान ने सलामी बल्लेबाज के अलावा मध्यक्रम में भी बल्लेबाजी की है। इसलिए उन्हें इसमें परेशानी नहीं रहेगी। वहीं टीम में शामिल दूसरे विकेटकीपर केएस भरत को अवसर शायद ही मिले क्योंकि उन्हें विकेटकीपर के कवर के तौर पर ही रखा गया है। इस साल होने वाले विश्व कप को देखते हुए यह सीरीज अहम रहेगी। इस सीरीज में भारतीय टीम जीत का सिलसिला बरकरार रखना चाहेगी। भारतीय टीम को इस सीरीज में घरेलू माहौल का लाभ मिलेगा। इसके अलावा विराट कोहली शुभमना गित सहित शीर्षक्रम के तीन बल्लेबाजों और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज का प्रदर्शन श्रीलंका के खिलाफ अच्छा रहा था। ऐसे में इन खिलाड़ियों से भारतीय टीम को इस सीरीज में भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। अब देखना है कि विराट रोहित और शुभमन को कीव गेंदबाज किस प्रकार रोकते हैं। इनके अलावा श्रेयस अय्यर भी कमर में चोट के कारण सीरीज से बाहर हो गये हैं। श्रेयस ने श्रीलंका के खिलाफ 28 28 और 38 रन बनाये। उनकी जगह पर रजत पाटीदार को टीम में जगह मिली है। ऐसे में अंतिम ग्यारह में अब देखना है कि अय्यर की जगह पर

सूर्यकुमार यादव या रजत पाटीदार को टीम में जगह मिल सकती है। सूर्यकुमार और ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या से भारतीय मध्यक्रम मजबूत होगा। ऑलराउंडर अक्षर पटेल भी इस मैच में नहीं खेलेंगे। ऐसे में अक्षर की जगह पर शाहबाज अहमद या वाशिंगटन सुंदर को टीम में जगह मिल सकती है। स्पिनर के तौर पर युजवेंद्र चहल और कुलदीप यादव को जगह मिलेगी। अब देखना होगा कि दोनो को ही शामिल किया जाता है या किसी एक को। चहल श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में कंधे में सूजन की वजह से नहीं खेले पर इस सीरीज के लिये वह उपलब्ध होंगे। तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी मोहम्मद सिराज मोहम्मद शमी और उमरान मलिक के पास रहेगी। वहीं दूसरी ओर मेहमान टीम न्यूजीलैंड नियमित कप्तान केन विलियमसन और मुख्य तेज गेंदबाज टिम साउदी के बिना ही भारत आई है पर इसके बाद भी टीम को कम नहीं आंका जा सकता है।

ललित मोदी ने बेटे रुचिर को सौंपी 4555 करोड़ की संपत्ति

नई दिल्ली । (एजेंसी)

गंभीर रुप से बीमार चल रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पूर्व अध्यक्ष ललित मोदी ने अचानक ही अपनी संपत्ति अपनी बेटे रुचिर को सौंप दी है। ललित मोदी को कोरोना संक्रमण के बाद इंफ्लुएंजा और निमोनिया होने कारण ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा गया है। इसी दौरान उन्होंने अपने उत्तराधिकारी का फैसला कर सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी सार्वजनिक की है। उन्होंने अपने एकलौते बेटे रचिर को अपना उत्तराधिकारी बनाया है और 4555 करोड़ की संपत्ति सौंप दी है। कारोबारी केके मोदी फैमिली ट्रस्ट की संपत्ति उन्होंने अपने बेटे रुचिर के नाम की है। इसके बाद से ही लोग रुचिर के बारे में जानकारी प्राप्त करने लगे हैं। उन्होंने कहा कि बेटी आलिया से बात करने के बाद उन्होंने ये फैसला किया है। रुचिर मोदी इंटरप्राइजेज गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया लिमिटेड मोदी केयर केके मोदी ग्रुप के डायरेक्टर हैं। वो मोदी वेंचर के संस्थापक भी है। वह अभी कई प्रोजेक्ट के प्रमुख हैं। रुचिर ट्वेंटी फोर सेवन कन्वीनियंस स्टोर्स और कलर बार कॉस्मेटिक ब्रांड जसे प्रोजेक्ट को भी चलाते हैं। रुचिर भी क्रिकेट के प्रशंसक हैं और अलवर डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष भी हैं। ललित मोदी को इलाज के लिए मेक्सिको सिटी से लंदन लाया गया है पर वो अभी ऑक्सीजन स्पोर्ट पर बने हुए हैं। उन्होंने लिखा कि अब उन्हें फैमिली ट्रस्ट की संपत्ति और कमाई में कोई रुचि नहीं है। वो केकेएमएफटी में बने रहेंगे। ललित मोदी साल 2010 में आईपीएल घोटाले के बाद भारत से भागकर लंदन चले गए थे और तभी से वहीं हैं। उनके पास अरबों की संपत्ति है। लंदन में आलीशान महल हैं जो 7000 एकड़ में फैला है। उनके पास लग्जरी कारों को कलेक्शन है। ललित मोदी का नेटवर्थ लगभग 12 हजार करोड़ हैं। जिसमें से 4500 करोड़ की उनकी संपत्ति है।

इंडिया ओपनः मोमोता पहले दौर में हारे, कैरोलिन मारिन महिला एकल में जीतीं

(एजेंसी)

विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी जापान के केंटो मोमोता की 2023 सत्र में निराशाजनक शुरूआत हुई और उन्हें इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा। दो बार के पूर्व विश्व चैंपियन मोमोता को डेनमार्क के रैस्मस गेमके से 15-21, 11-21 से पराजय झेलनी पड़ी। मोमोता ने पिछले छह मुकाबलों में पांच बार गेमके को हराया था। मोमोता ने 2019 में रिकॉर्ड 11 खिताब जीते थे लेकिन पिछला वर्ष उनके लिए निराशाजनक रहा था और वह एक भी खिताब नहीं जीत पाए थे। वह फ्लू के कारण पिछले सप्ताह मलेशिया ओपन में नहीं खेल पाए थे। महिला एकल में रियो ओलम्पिक चैंपियन कैरोलिना मारिन ने जापान की नोजोमी ओकुहारा को 21-13, 21-18. से हरा दिया। मारिन का राउंड 16 में पूर्व विश्व चैंपियन थाईलैंड की रत्चानोक इंतानोन से मुकाबला होगा जिन्होंने मलेशिया की गोह जिन वेई को 21-13, 21-11 से हराया। दो बार के पूर्व विश्व चैंपियन मोमोता को डेनमार्क के रैस्मस गेमके से 15-21, 11-21 से पराजय झेलनी पड़ी। मोमोता ने पिछले छह मुकाबलों में पांच बार गेमके को हराया था। मोमोता ने 2019 में रिकॉर्ड 11 खिताब जीते थे लेकिन पिछला वर्ष उनके लिए निराशाजनक रहा था और वह एक भी खिताब नहीं जीत पाए थे। वह फ्लू के कारण पिछले सप्ताह मलेशिया ओपन में नहीं खेल पाए थे।

सभी मंत्रालयों, राज्यों के लिए स्किल गेम्स पर एक समेकित दृष्टिकोण तैयार कर रहा है आईटी मंत्रालय

(एजेंसी)

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने मंगलवार को गेमिंग कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों और संस्थापकों के साथ एक बैठक में कहा कि आईटी मंत्रालय स्किल गेम्स पर एक समेकित दृष्टिकोण बना रहा है और यह सभी मंत्रालयों और राज्यों में लागू होगा। यह बैठक भारत के आनलाइन गेमिंग नियमों के मसौदे पर चर्चा के लिए बुलाई गई थी। मंत्री विशेष रूप से स्किल गेम्स बनाम मौका के खेल के मुद्दे पर आईटी मंत्रालय से वित्त मंत्रालय के अलग-अलग दृष्टिकोण पर एक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। यह बयान माल और सेवा कर महानिदेशालय (जीएसटी) इंटेलिजेंस की पृष्ठभूमि में महत्वपूर्ण है, जिसने बेंगलुरू मुख्यालय वाले गेम्सक्राफ्ट को 28 प्रतिशत जीएसटी नोटिस दिया। गेम आफ चांस पर 28 प्रतिशत की दर से जीएसटी लागू है और कौशल गेमिंग उद्योग कमीशन पर 18 प्रतिशत जीएसटी का भुगतान करता है। वित्त मंत्रालय ने गेम्सक्राफ्ट को नोटिस देते हुए इस अंतर को मान्यता देने से इनकार कर दिया है। गेम्सक्राफ्ट ने इसे कर्नाटक हाईकोर्ट में चुनौती दी है और कोर्ट ने उसे अंतरिम राहत दी है। भारतीय आनलाइन गेमिंग कंपनियां भी कुछ राज्यों द्वारा स्किल गेम्स और गेम आफ चांस के बीच इस अंतर को पहचानने से इनकार कर रही हैं। अभी असम, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे राज्यों में स्किल गेम्स की अनुमति नहीं है। तमिलनाडु में आनलाइन

स्किल गेम्स पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक विधेयक प्रस्तावित किया गया है। आईटी मंत्रालय के इस कदम से कौशल के खेल पर स्पष्टता आएगी और इस बढ़ते क्षेत्र को बहुत आवश्यक नियामक स्थिरता प्रदान होगी। भारतीय आनलाइन गेमिंग कंपनियां भी कुछ राज्यों द्वारा स्किल गेम्स और गेम आफ चांस के बीच इस अंतर को पहचानने से इनकार कर रही हैं। अभी असम, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे राज्यों में स्किल गेम्स की अनुमति नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

न्यूजीलैंड के खिलाफ करना होगा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन : रोहित

हैदराबाद । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा का मानना है कि एकदिवसीय सीरीज में उनकी टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत दर्ज करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। रोहित ने कहा कि श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में मिली शानदार जीत के बाद भी न्यूजीलैंड की चुनौती को कमजोर नहीं माना जा सकता है। मैच के लिए यहां पहुंचने के बाद रोहित ने कहा न्यूजीलैंड टीम भी पाकिस्तान को हराकर भारत आई है। ऐसे में उसे कम आंकना भूल होगी। इस दौरे में नियमित कप्तान केन विलियम्सन और अनुभवी तेज गेंदबाज टिम साउदी कीवी टीम में शामिल नहीं है पर इसके बाद भी टीम को कमजोर नहीं माना जा सकता है। पहले एकदिवसीय में अंतिम ग्यारह को लेकर कप्तान ने कहा कि वह पिच देखने के बाद ही इसका फैसला करेंगे। इस सीरीज में लोकेश राहुल और अक्षर पटेल निजी कारणों से शामिल नहीं है। ऐसे में देखना होगा कि इनकी जगह किसे जगह मिलती है। संभावना है कि सूर्याकुमार यादव और ईशान किशन को इसमें अवसर मिल सकता है। वहीं दूसरी ओर मेहमान टीम न्यूजीलैंड भी शानदार फॉर्म में है। टीम ने अब तक लगातार दो एकदिवसीय सीरीज जीती हैं। गत वर्ष उसने भारतीय टीम को अपनी धरती पर 1-0 से हराया था। जिसका मनोवैज्ञानिक लाभ भी उसे मिलेगा। भारत आने से पहले उसने पाकिस्तान को उसी की धरती पर एकदिवसीय सीरीज में 2-1 से हराया। न्यूजीलैंड की टीम इस दौरे में नियमित कप्तान विलियम्सन और साउदी के बिना ही भारत आई है। ऐसे में टीम की कप्तानी टॉम लाथम संभाल रहे हैं।

टेनिस ऑस्ट्रेलिया ने रूस, बेलारूस के ध्वजों को ऑस्ट्रेलियन ओपन से प्रतिबंधित किया

मेलबर्न। रूस और बेलारूस के ध्वजों को शुरूआती दिन कोर्ट से इतर एक घटना के बाद से ऑस्ट्रेलियन ओपन से प्रतिबंधित कर दिया गया है। ऑस्ट्रेलिया में यूक्रेन के राजदूत वासिल मिरोशनीचेंको ने आयोजकों से कार्रवाई की मांग की है जब प्रशंसकों ने कैमिला रखिमोवा के समर्थन में रूसी ध्वज लहरा दिए थे। रखिमोवा का यूक्रेन की कैटरिना बैंडल से मुकाबला था। मिरोशनीचेंको ने ट्वीट किया, मैं यूक्रेन की खिलाड़ी के खिलाफ ऑस्ट्रेलियन ओपन में आज रूसी ध्वज को सार्वजनिक रूप से लहराने की कड़ी निंदा करता हूं। मैं टेनिस ऑस्ट्रेलिया से आग्रह करता हूं कि वह अपनी निष्पक्ष ध्वज नीति को तत्काल प्रभाव से लागू करे। टेनिस ऑस्ट्रेलिया ने मिरोशनीचेंको की इस मांग पर हरकत में आते हुए तत्काल प्रभाव से रूसी और बेलारूसी ध्वजों को मेलबर्न पार्क से प्रतिबंधित कर दिया। टेनिस ऑस्ट्रेलिया ने इससे पहले प्रशंसकों को दोनों देशों के खिलाड़ियों के प्रति अपना समर्थन व्यक्त करने के लिए अनुमति दी थी यदि इससे कोई व्यवधान नहीं होता है। रूस के पिछले वर्ष यूक्रेन पर हमले के बाद से रूस और बेलारुस के खिलाड़ियों को टेनिस सहित कई खेलों में अपने ध्वज के तहत खेलने की अनुमति नहीं थी। टेनिस ऑस्ट्रेलिया ने इससे पहले प्रशंसकों को दोनों देशों के खिलाड़ियों के प्रति अपना समर्थन व्यक्त करने के लिए अनुमति दी थी यदि इससे कोई व्यवधान नहीं होता है।

कार हादसे के बाद पहली बार ऋषभ ने किया ट्वीट सर्जरी के बाद ठीक होने की राह पर हूं

समर्थन और शुभकामनाओं के लिए सभी का आभार जताया

मुम्बई ।

कार हादसे के बाद भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत पहली बार सोशल मीडिया के जरिये सामने आये हैं। ऋषभ ने कहा कि वह तीन सर्जरी के बाद अब उबर रहे हैं। ऋषभ गत वर्ष 30 दिसंबर को दिल्ली से रुड़की जाते समय कार दुर्घटना में गंभीर रुप से घायल हो गये थे। इस दौरान रजत और निशु नाम के दो युवकों ने उनकी सहायता की थी और अस्पताल पहुंचाने के इंतजाम किये थे। ऋषभ ने इन दोनो का अभार व्यक्त किया है। उन्हें हादसे के बाद सबसे पहले देहरादून के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया और फिर सर्जरी के लिए मुंबई लाया गया। यहां उनकी तीन सर्जरी हुई हैं और इस कारण से उनके करीब एक साल तक खेल से दूर रहने की संभावना है। पंत ने ट्वीट किया ''मैं सभी के समर्थन और शुभकामनाओं के लिए आभारी हूं। मुझे आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि मेरी सर्जरी सफल रही और उबरने का सफर शुरू हो गया है और मैं आगे की चुनौतियों के लिए तैयार हूं। इस दौरान भारतीय क्रिकेट बोर्ड सचिव जय शाह और सरकारी अधिकारियों को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं। उन्होंने कहा ''मैं अपने दिल की गहराई से अपने सभी प्रशंसकों टीम के साथियों डॉक्टरों और फिजियो को आपके शब्दों और प्रोत्साहन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं आप सभी को मैदान पर देखने के लिए उत्सुक हूं। उन्होंने हादसे के बाद सहायता करने वाले दो युवकों रजत और निशु को भी धन्यवाद दिया ओर कहा कि धन्यवाद। मैं हमेशा आपका आभारी और ऋणी रहूंगा। उन्होंने कहा ''हो सकता है कि मैं व्यक्तिगत रूप से सभी को धन्यवाद नहीं दे पाया पर मुझे इन दो युवकों की विशेष रुप से सराहना करनी चाहिए जिन्होंने दुर्घटना के दौरान मेरी मदद की और सुनिश्चित किया कि मैं सुरक्षित रूप से अस्पताल पहुंचू। ऋषभ के इस साल खेलने की संभावनाएं नहीं हैं क्योंकि उन्हें लिगामेंट इंजरी से उबरने में ही छह माह लग जाएंगे। इस कारण उनके आईपीएल और एकदिवसीय विश्वकप में भी खेलने की संभावनाएं नहीं हैं।

ईशान को पारी की शुरुआत के लिए भेजें : मांजरेकर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने कहा है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में युवा बल्लेबाज ईशान किशन को पारी की शुरुआत के लिए भेजें। मांजरेकर ईशान को पारी की शुरुआत करते हुए देखना चाहते हैं। मांजरेकर ने कहा कि विराट कोहली को अब नंबर-3 से नीचे आना चाहिये। मांजरेकर ने कहा यह अभी भी कठिन होने वाला है। शुभमन गिल नंबर 3 पर बल्लेबाजी कर सकते हैं उन्हें लगता है कि वह उस स्थिति को संभाल सकते हैं और फिर विराट नंबर 4 पर उतर सकते हैं। वहीं कोहली द्वारा नंबर 4 के लिए अपना नंबर 3 स्थान छोड़ने को लेकर मांजरेकर ने कहा कोहली ने बहुत पहले टीम के लिए नंबर 3 की स्थिति का त्याग किया था और किशन निश्चित रूप से शीर्ष क्रम में धमाकेदार साबित हो सकते हैं। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ कई साल पहले एक बार अंबाती रायुडू के साथ ऐसा किया है। ईशान के सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरने से दायें और बाएं हाथ का संयोजन अधिक बेहतर साबित होगा।

भारत दौरे पर आये वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर ग्रीनिज का हुआ सम्मान

नई दिल्ली । आजकल भारत दौरे पर आये वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर गॉर्डन ग्रीनिज ने कहा है कि टी20 क्रिकेट फास्ट फूड की तरह है। ग्रीनिज के अनुसार असली क्रिकेट टेस्ट क्रिकेट को ही कहा जा सकता है। ग्रीनिज वेस्टइंडीज के सबसे बेहतरीन सलामी बल्लेबाज थे और उन्होंने अपने डेब्यू मैच में शतक लगाया था। क्रिकेट के साजोसामान बनाने वाली कंपनी बी डी एम के एक कार्यक्रम के लिए ग्रीनिज यहां पहुंचे थे। 71 साल के इस पूर्व सलामी बल्लेबाज का इस अवसर पर सम्मान किया गया। ग्रीनिज इसी कंपनी के बल्ले से खेलते थे। ग्रीनिज इस बात से निराश हैं कि उनकी टीम इस समय अच्छा नहीं कर रही है। उन्होंने कहा इससे पहले मुझे दुख होता था लेकिन अब मुझे दुख नहीं होता क्योंकि मैं अब क्रिकेट नहीं देखता। केवल अगर यह टेस्ट क्रिकेट है और केवल अगर यह एक युवा खिलाड़ी के बारे में है जिसके बारे में मैंने सुना है तो मैं अपनी पूरी कोशिश करता हूं कि जाकर उस बच्चे को खेलते हुए देखूं और उस खिलाड़ी के बारे में मैं जो महसूस करता हूं उसके बारे में अपना फैसला कर सकूं। ग्रीनिज ने अपने करियर के दौरान भारत के शीर्ष स्पिनरों लेग स्पिनर बीएस चंद्रशेकर ऑफ स्पिनर ईएएस प्रसन्ना और एस वेंकटराघवन का भी सामना किया था।

विश्वकप हॉकी : ऑस्ट्रेलिया ने अर्जेंटीना को 3-3 से ड्रॉ पर रोका

भुवनेश्वर।

यहां खेले जा रहे एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 के पूल-ए मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया और अर्जेंटीना का मुकाबला 3-3 से ड्रॉ रहा है। कलिंगा स्टेडियम पर हुए इस रोमांचक मुकाबले में अर्जेंटीना की ओर से थॉमस डोनेल ने 18 वें मैको कसेलो ने 32 वें और माटिर्न फेरेरो ने 48 वें मिनट में गोल किये। वहीं ऑस्ट्रेलिया की ओर से जेरेमी हेवर्ड ने नौवें डेनियल बील ने 29 वें और ब्लेक गोवर्स ने 57वें मिनट में गोल किये। चौथे क्वार्टर की शुरुआत में फेरेरो के गोल से अर्जेंटीना ने 3-2 से बढ़त हासिल कर ली पर अंत में ऑस्ट्रेलिया ने गोवर्स के गोल से मुकाबला बराबरी पर ला दिया। तीन बार की खिताब विजेता ऑस्ट्रेलिया और अर्जेंटीना के बीच इस मुकाबले में शुरूआत से ही रोमांचक संघर्ष हुआ। ऑस्ट्रेलिया की ओर से जेरेमी ने नौवें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अपनी टीम को पहली सफलता दिलायी। वहीं दूसरे क्वार्टर में अर्जेंटीना के थॉमस ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर मुकाबला 1-1 से बराबरी पर ला दिया। इसके बाद हाफ टाइम से ठीक एक मिनट डेनियल ने एक गोल कर ऑस्ट्रेलियाई टीम को फिर आगे कर दिया। अर्जेंटीना ने इसके बाद पलटवार करते हुए और ब्रेक के बाद दूसरे मिनट में ही मैको के मैदानी गोल से स्कोर 2-2 से बराबर पर ला दिया। तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमों ने गोल करने के प्रयास किये पर असफल रहीं। दोनो ही टीमें अपने पेनल्टी कॉर्नरों को गोल में नहीं बदल पायीं। अर्जेंटीना के फेरेरो ने 48वें

मिनट में एक मैदानी गोल कर अपनी टीम को फिर बढ़त दिला दी लेकिन ऑस्ट्रेलिया की ओर से अंतिम क्षणों में गोवर्स ने फ्री हिट पर गोल कर मुकाबला 3-3 से बराबरी पर ला दिया। इस प्रकार दोनो ही टीमों को बराबर अंक मिले हैं। पूल-ए में दोनो ही टीमों के चार-चार अंक हैं ओर ये पहले और दूसरे स्थान पर हैं।

मेलबर्न मे ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस में जीत के बाद उत्साहित फ्रांस की कैरोलिना ग्रेसिया।

अगले 5 दिनों तक ठंड से कोई राहत नहीं 2.4 डिग्री के साथ नलिया राज्य का सबसे ठंडा शहर

अहमदाबाद। शहर समेत राज्यभर में जारी कड़ाके की ठंड से लोग कांप उठे हैं। अहमदाबाद में ठंड का पारा 7.6 डिग्री पर पहुंच गया। वहीं 2.4 डिग्री तापमान के साथ कच्छ का नलिया राज्य में सबसे ठंडा शहर रहा। मौसम विभाग के मुताबिक आगामी 5 दिनों तक राज्य को ठंड से राहत मिलने की कोई संभावना नहीं है। उत्तर भारत में जारी कड़ाके की ठंड का असर अहमदाबाद समेत गुजरातभर में दिख रहा है। उत्तर पूर्व की शर्द हवाओं से गुजरात में जनजीवन प्रभावित हुआ है। सोमवार को अहमदाबाद में न्यूनतम तापमान । डिग्री पर पहुंच गया था आज उसमें 2 डिग्री की वृद्धि होने से लोगों को आंशिक राहत मिली है। अहमदाबाद में आज तापमान 9.7 डिग्री दर्ज हुआ। ठंड से बचने के लिए लोग ऊनी कपड़े और अलाव का सहारा लेते नजर आए। मौसम विभाग के मुताबिक कल सुबह 8.30 बजे तक सौराष्ट्र-कच्छ के राजकोट पोरबंदर और कच्छ जिले में शीतलहर जारी रहेगी। पिछले 24 घंटों से ये इलाके शीतलहर की चपेट में है और आगामी कई घंटों तक इसके जारी रहने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक आगामी पांच दिन तक अहमदाबाद में ठंड की तीव्रता 11 से 12 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है। गुजरात में कच्छ का नलिया 2.4 डिग्री के साथ सबसे ठंडा शहर रहा। वहीं डीसा में 7.8 डिग्री नर्मदा में 8 डिग्री पाटन में 8.1 डिग्री जामनगर में 8.2 डिग्री पोरबंदर में 8.6 डिग्री पोरबंदर में 8.6 डिग्री भुज में 8.7 डिग्री गांधीनगर में 8.8 डिग्री अहमदाबाद में 9.2 डिग्री राजकोट में 9.4 डिग्री जूनागढ़ में 10.3 डिग्री दीव में 10.8 डिग्री कंडला में 10.9 डिग्री वडोदरा में 11.2 डिग्री भावनगर में 11.4 डिग्री छोटा उदेपुर में 12 सिलवासा में 12 डिग्री सूरत में 12 डिग्री दादरा नगर हवेली में 12 द्वारका में 12.8 डिग्री सासण गिर में 13.4 डिग्री वलसाड में 13.4 डिग्री और ओखा में 18.9 डिग्री न्यूनतम तापमान दर्ज हुआ।

12वीं कक्षा की छात्रा से छेड़छाड़ के आरोप में ट्यूशन क्लास का शिक्षक गिरफ्तार

अहमदाबाद। शहर के शहरकोटडा क्षेत्र में 12वीं कक्षा की एक छात्रा के साथ शारीरिक छेड़छाड़ के आरोप में पुलिस ने ट्यूशन क्लास के संचालक शिक्षक को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के शहरकोटडा पुलिस थानान्तर्गत रहनेवाले परिवार की एक बेटी कक्षा 12वीं की छात्रा है। जो गत 9 जनवरी को ट्यूशन क्लास में गई थी। जहां अन्य विद्यार्थियों की अनुपस्थिति का लाभ उठाते हुए ट्यूशन क्लास के संचालक अजय सोलंकी ने छात्रा के साथ शारीरिक छेड़छाड़ की। शिक्षक की इस हरकत से छात्रा डर गई और घर अपने लौट आई। जिसके बाद छात्रा गुमसूम रहने लगी। बेटी के बदले व्यवहार को लेकर माता-पिता को शंका हुई और उन्होंने ट्यूशन क्लास में जानेवाले अन्य विद्यार्थियों और परिवार के एक भांजे से पूछताछ की। जिसमें अजय सोलंकी की हरकतों का भांडा फूट गया। परिवार को पता चला कि अन्य विद्यार्थियों की अनुपस्थिति में उनकी बेटी के साथ छेड़छाड़ की थी। जिसकी वजह से बेटी गुमसूम रहती थी। जिसके बाद पिता ने शहरकोटडा पुलिस थाने में शिक्षक अजय सोलंकी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवा दी। जिसके आधार पर पुलिस ने अजय सोलंकी को गिरफ्तार कर लिया। अजय सोलंकी कक्षा 10 और 12 के विद्यार्थियों को पढ़ाता है। काफी समय से ट्यूशन क्लास चलाने वाला अजय सोलंकी अन्य छात्राओं के साथ भी ऐसी कोई हरकत की है क्या? इस दिशा में पुलिस ने जांच तेज कर दी है।

ब्याजखोरों के खिलाफ विशेष अभियान दो सप्ताह में एक हजार से अधिक मामले दर्ज 635 गिरफ्तार

अहमदाबाद। गुजरात सरकार ने ब्याजखोरों के चंगुल में फंसे मजबूर और जरूरतमंद लोगों को मुक्त कराने के उद्देश्य से एक खास अभियान शुरू किया है। पिछले दो सप्ताह से चल रहे इस अभियान के अंतर्गत राज्य में अब तक एक हजार से भी ज्यादा मामले दर्ज हो चुके हैं और 635 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। लोगों की मजबूरी का फायदा उठानेवाले ब्याजखोरों को अब तो अपना धंधा बंद करना पड़ेगा या गुजरात छोड़ना होगा। गौरतलब है कि राज्य में ब्याजखोरों के आतंक की वजह से कई परिवार उजड़ गए। मूल रकम और मनमानी ब्याज मिलने के बावजूद ब्याजखोरों को मजबूर लोगों पर दया नहीं आती थी। ब्याजखोर की चंगुल में फंसे कई लोग आत्महत्या कर लेते थे। ऐसी घटनाओं से निपटने के लिए गुजरात ने ब्याजखोरों के खिलाफ दो सप्ताह पहले खास अभियान चलाया था। इसके अंतर्गत 16 जनवरी तक राज्यभर में 1288 लोक दरबार का आयोजन किया गया। जिसके जरिए ब्याजखोरों से पीड़ित लोगों ने पुलिस के समक्ष अपनी वेदना बयां की। जिसके आधार पर पुलिस ने ब्याजखोरों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करते हुए दो सप्ताह के भीतर 1026 जितने केस दर्ज किए और 635 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी के आदेश पर शुरू किए गए इस खास अभियान के दौरान गुजरात पुलिस ने विशेष ऐहतियात बरता। इस अभियान से राज्य के निर्दोष नागरिकों को पुलिस का सुरक्षा कवच मिल रहा है। पुलिस अनाधिकृत ब्याजखोरी का धंधा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही कर रही है। साथ ही यह भी ध्यान में रख रही है कि कोई निर्दोष व्यक्ति के खिलाफ फर्जी मामला दर्ज ना हो।

एडलवाइस टोक्यो लाइफ की जिंदगी एक्सप्रेस अंग दान के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए सूरत पहुंची

सूरत । लोगों के सपनों और आकांक्षाओं की रक्षा करने के अपने मिशन पर खरा उतरते हुए एडलवाइस टोक्यो लाइफ इंश्योरेंस की अपनी तरह की अनूठी रिले मैराथन जिंदगी एक्सप्रेस अंगदान की सख्त आवश्यकता के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए आज सूरत पहुंची। इस कवायद के माध्यम से, जीवन बीमा कंपनी का लक्ष्य लोगों को उनके अंगों के लिए सही चुनाव करने में मदद करने के लिए एक सरल यादगार संदेश छोड़ना है - इसे पास करें।

एडलवाइस टोक्यो लाइफ इंश्योरेंस के एमडी और सीईओ सुमित राय ने कहा, च्च्एक जीवन बीमा कंपनी के रूप में हमारा मानना है कि लोगों को उनके सपनों और आकांक्षाओं को सुरक्षित करने में मदद करना हमारा कर्तव्य है; सुरक्षित जीवन के सपने को साकार करने के लिए अंगदान के प्रति जागरूकता का अभाव एक बड़ी चुनौती है। 2019 से हम इस विषय पर जागरूकता पैदा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उस समय हमने सबसे पहला काम भारत में अंगदान की स्थिति पर अध्ययन करना था। उस तथ्य-खोज मिशन ने कुछ आश्चर्यजनक अंतर्दृष्टि प्रदान की कि कैसे व्यक्तिगत विश्वास एक गंभीर चुनौती पेश करते हैं। वे विश्वास आज भी कायम हैं, जो सतत जागरूकता प्रयासों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करते हैं।

गुजरात से जिंदगी एक्सप्रेस अपनी जागरुकता यात्रा जारी रखने के लिए जयपुर के लिए रवाना होगी। जिंदगी एक्सप्रेस ने 5 जनवरी, 2023 को हैदराबाद में अपनी 3 सप्ताह लंबी अंग दान जागरूकता यात्रा शुरू की। पूरे अभियान के दौरान जीवन बीमा कंपनी करीब 5,500 किलोमीटर की यात्रा करेगी। लगातार चौथे वर्ष, जीवन बीमा कंपनी ने अपने जागरूकता प्रयासों को बढ़ाने के लिए 1997 से भारत के अंग दान परिदृश्य को बेहतर बनाने के लिए काम कर रहे एक गैर सरकारी संगठन मोहन फाउंडेशन के साथ हाथ मिलाया है।

2019 में, एडलवाइस टोक्यो लाइफ के च्लाइफ आफ्टर लाइफज्ज शीर्षक वाले शोध से पता चला कि कई गलतफहमियों ने देश की कम दान दर में योगदान दिया। मृत्यु के बाद जीवन के बारे में धार्मिक विश्वास, अंगदान की इच्छा को पूरा करने के लिए परिवार की अनिच्छा, स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र में अविश्वास अनुसंधान द्वारा उजागर की गई कुछ प्रमुख चुनौतियाँ थीं।

3 साल की लगातार डिजिटल आउटरीच के बाद जीवन बीमा कंपनी ने अंगदान के संदेश को धरातल पर उतारने की जरूरत महसूस की। इस सिलसिले में जिंदगी एक्सप्रेस विभिन्न राज्यों के 50 शहरों की यात्रा करेगी। हैदराबाद से शुरू होकर, जिंदगी एक्सप्रेस 12 शहरों में जागरूकता सत्र, बाइक रैली, वॉकथॉन और शाखाओं/शैक्षिक संस्थानों में जन कार्यक्रम आयोजित करने के लिए पिटस्टॉप बनाएगी।

दिन दहाडे घरफोड़ चोरी करने के आरोप में एक ही परिवार के चार लोग गिरफ्तार

वलसाड। जिले के दूरदराज के क्षेत्रों में दिन दहाड़े घरफोड़ चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए वलसाड एलसीबी ने चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। चौंकानेवाली बात यह है कि पकड़े गए सभी चार आरोपी एक ही परिवार के हैं। घरफोड़ चोरी के आरोपियों ने महाराष्ट्र में ऐसी घटनाओं का अंजाम दिया है और कई मामले में पुलिस थाने में दर्ज हैं। दक्षिण गुजरात के वलसाड जिले में पिछले काफी समय से दिन दहाडे हो रही चोरी की घटनाओं ने पुलिस की नींद हराम कर दी थी। इन घटनाओं के बाद हरकत में आई वलसाड एलसीबी ने घरफोड़ चोरी करने वाले गिरोह को दबोच लिया। साथ ही पुलिस ने चोरी का माल खरीदने वाले शख्स को भी गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से पुलिस ने चोरी के साधन और वाहन इत्यादि भी जब्त किया है। घरफोड़ चोरी के आरोप में पकड़े गए आरोपी एक ही परिवार के हैं। जिसमें शिवा उर्फ राजु चित्रपा तीरमलिया धोत्रे श्याम चित्रपा तीरमलिया धोत्रे महेश हनुमंता चित्रप्पा तीरमलिया धोत्रे और राहुल शिल्वराज मूपनार शामिल हैं। चारों आरोपी कुख्यात अपराधी है जो पडौसी राज्य महाराष्ट्र में घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं और वहां के पुलिस थानों में मामले दर्ज हो चुके हैं। महाराष्ट्र में पुलिस की दबिश बढ़ने पर आरोपी वलसाड जिले के उमरगाम में स्थायी हो गए और जिले में चोरी की घटनाओं को अंजाम देने लगे। जहां आखिरकार वलसाड एलसीबी ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर 11 घरफोड़ चोरी के मामलों की गुत्थी सुलझा ली है। चार में से तीन आरोपियों का एक लंबा आपराधिक इतिहास है। जिसमें आरोपी शिवा उर्फ राजु चित्रपा के खिलाफ महाराष्ट्र के दहिसर में चोरी के 2 बदलापुर में 1 तेलगांव में 6 और डीसीबी सीआईडी में आर्म्स एक्ट का 1 केस दर्ज है। श्याम चित्रपा के खिलाफ विराम माणिकपुर तेलगांव कोलशेवाडी और दहीसर में 10 मामले दर्ज हैं। जबकि राहुल शिल्वराज के खिलाफ महाराष्ट्र के अरनाला विरार दहीसर में कुल 19 मामले दर्ज हो चुके हैं।

9 साल की देवांशी आज संयम स्वीकारेगी, भव्य शोभायात्रा में हजारों लोग शामिल हुए

सूरत भूमि, सूरत। दीक्षा नगरी सूरत नगर में वेसु स्थित बलर फॉर्म में सदियों को आलोकित करने वाली बाल वीरागना देवांशी कुमारी के जीवन को पावन करें ऐसे दीक्षा का पांच दिवसीय महापर्व चल रहा है। जोबन फॉर्म जिनशासन की ऐतिहासिक 77 और 74 दिशाओं की भूमि है। वही दुनिया में डंका बजाने वाली सिर्फ 9 साल की देवांशी दोम दोम साह्यबी को छोड़कर दीक्षा लेने जा रही हैं। मंगलवार को दीक्षार्थी की भव्य से भी भव्य वर्षी दान यात्रा शुरू हुई। बुधवार के दिन सुबह में जिसका समग्र भारत का जैन समुदाय इंतजार कर रहा था वह दीक्षा विधि शुरू होगी। और दीक्षा युग परिवर्तन सूरीराम के धर्म प्रभाव साम्राज्य मैं शताब्दी श्रमण श्रमणी भगवंत और लगभग 35 हजार से अधिक संयम प्रेमियों के साक्ष्य में देवांशी को प्रवचन प्रभाव जैन आचार्य पूज्य कीर्तियशसुरेश्वर जी महाराज दीक्षा का दान देंगे। हजारों व्यक्ति सुंदर तरीके से दीक्षा का आनंद ले सके इसलिए एक विशाल महल जैसे मंडप में बैठने की व्यवस्था की गई है। हजारों व्यक्तियों को बिठाकर सम्मान पूर्वक खाना खिलाने की व्यवस्था देवांशी के परिवार मालगांव निवासी भेरूमलजी हकमाजी संघवी परिवार ने की है। दीक्षा की बात करें तो हमेशा खिलखिलाती हंसती रहने वाली नववर्ष की देवांशी सभी सुखों का त्याग कर, ज्ञान का भंडार पाकर, बड़ी समझ के साथ संसार छोड़ रही है, विशाल परिवार में पली-बढ़ी बेटी का त्याग वास्तव में इस दुनिया के लिए सच्चे खुशी के मार्ग सच्चा संदेश का उदाहरण है।

देवांशी घनेश भाई संघवी नाम उम्र 9 साल। बालक वज्र कुमार के जन्म होते ही दीक्षा की भावना जागृत हो गई थी। छोटी सी उम्र में दीक्षा लेने जा रही देवांशी यूं ही दीक्षा नहीं ले रही जन्म लेते ही इन्होंने दीक्षा के संस्कार लिए हैं। माता अमीबहन ने उनके जन्म के तुरंत बाद नवकार का पाठ किया और उसके बाद कई भजन और छंद देवांशी के कानों और जीवन को पवित्र करते रहे। 4 माह की उम्र में चौविहार शुरू हो गया था। 2 वर्ष तक उपवास 6 वर्ष तक विहार 7 वर्ष में पौषध किया। इसके अलावा उन्होंने अपने जीवन में न तो मोबाइल फोन का इस्तेमाल किया है और ना ही टीवी थिएटर देखा है हां इस उम्र में उन्होंने 10-12 नहीं बल्कि पूरे 367 दीक्षाओं का दर्शन किया है। वैराग्य शतक और तत्वार्थना अध्याय जैसे कई महा ग्रंथ उनके द्वारा कंठस्थ हैं। इसके अलावा उन्होंने कई जैन ग्रंथ पढें हैं। उन्हें धार्मिक ज्ञान के साथ-साथ 5 भाषाओं का ज्ञान है क्यूब में गोल्ड मेडल भी मिला है। संगीत प्रेमी होने के नाते संगीत के लगभग सभी राग जानती हैं। स्केटिंग, मेंटल मैथ और भारतनाट्यम में भी दक्ष है। वह कई सरल योग मुद्राएं भी जानती हैं। इस तरह चौतरफा और दोम दोम साह्यबी को छोड़कर देवांशी काफी अध्ययन के बाद दीक्षा के रास्ते पर जा रहे हैं। विदाई समारोह के दौरान उन्होंने सच ही कहा था कि मैं एक शेर की संतान हूं और शेर की तरह ही दीक्षा ले रही हूं। और शेर की तरह दीक्षा जीवन को जीना मेरा भाव है।

पद्मश्री सोनू निगम का आई बिलीव म्यूज़िक और जेटसिंथेसिस का ग्लोबल म्यूज़िक जंक्शन दर्शकों के लिए श्री हनुमान चालीसा का दिव्य रूपांतर लेकर आया

गोरखपुर में 'मकर संक्रांति' के पावन अवसर पर पद्मश्री सोनू निगम के आई बिलीव म्यूज़िक ने जेटसिंथेसिस के डिजिटल मनोरंजन अंग, ग्लोबल म्यूज़िक जंक्शन के साथ श्री हनुमान चालीसा का म्यूज़िक वीडियो लॉन्च किया। यह लॉन्च माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में 'गोरखपुर महोत्सव 2023' में किया गया। इस कार्यक्रम में शहर और आसपास के इलाकों से 50,000 से ज्यादा लोगों ने हिस्सा लिया।

म्यूज़िक वीडियो के लॉन्च के बारे में राजन नवानी, चेयरमैन एवं एमडी, जेटसिंथेसिस ने कहा, ''हनुमान चालीसा हनुमान जी की स्तुति में सबसे लोकप्रिय स्तोत्र है और लाखों लोग प्रतिदिन हनुमान चालीसा पढ़ते हैं। हम सोनू निगम के आई बिलीव म्यूज़िक के साथ गठबंधन में श्री हनुमान चालीसा का एक नया रूपांतर लॉन्च करने के लिए उत्साहित हैं, जिसके साथ हम भारत में जेटसिंथेसिस डिजिटल एंटरटेनमेंट का और ज्यादा विस्तार कर रहे हैं। अपने सभी वर्टिकल्स में सोनू जी के साथ काम करने में बहुत मजा आता है, और हम इस लंबी साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए उत्साहित हैं। इस कार्यक्रम को अपना बहुमूल्य समय देने के लिए हम मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के बहुत आभारी हैं।''

सोनू निगम के साथ इस म्यूज़िक वीडियो में दर्शकों को हनुमान जी की स्तुति में अद्वितीय वीडियो इफेक्ट्स के साथ भक्ति स्तोत्र का नया अनुभव मिलेगा। हर प्रमुख ओटीटी और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर विस्तृत मौजूदगी के साथ यह वीडियो देश में युवाओं और बुजुर्गों, दोनों को आकर्षित करेगा। म्यूज़िक एस्सेट लॉन्च के इतिहास में पहली बार यह म्यूज़िक वीडियो एक साथ 50 से ज्यादा यूट्यूब चैनल्स पर रिलीज़ हो रहा है।

हिमालया वैलनेस कंपनी ने कोकोनट और 4 आवश्यक औषधियों के गुणों से युक्त बेबी मसाज़ ऑयल लॉन्च किया

भारत के अग्रणी वैलनेस ब्रांड, हिमालया वैलनेस कंपनी ने हाल ही में हिमालया बेबी मसाज़ ऑयल के लॉन्च की घोषणा की, जो कोकोनट के गुणों से युक्त है। यह ऑयल चुनिंदा औषधियों और सामग्री से बनाया गया है, जो चिपचिपाहटरहित फॉर्मूला के साथ शिशु की स्किन को पोषण प्रदान करती हैं। इसके अलावा ये मॉईस्चर को शिशु की स्किन में लॉक कर देती हैं, जिससे स्किन नरम और मुलायम बनी रहती है। चार औषधियों - एलोवेरा, वेटिवर, विंटर चेरी और कंट्री मैलोके गुणों को जब एक पारंपरिक ऑयल में मिलाया जाता है, तो वो खून का सर्कुलेशन बढ़ाते हैं, पेशियों को आराम देते हैं, और शिशु की वृद्धि में मदद करते हैं।

इस लॉन्च के बारे में श्री चक्रवर्ती एन.वी, बिज़नेस हेड - बेबीकेयर, हिमालया वैलनेस कंपनी ने कहा, ''बेबी मसाज़ ऑयल की हिमालया इंडियन हैरिटेज़ सीरीज़ सदियों पुरानी पारंपरिक आयुर्वेदिक विधियों से प्रेरित है, जो आपके शिशु की दिनचर्या में बॉडी मसाज़ (अभ्यंगा) के महत्व पर बल देती हैं। इसके अलावा, मिलेनियल अभिभावक अपने शिशुओं के लिए सामग्री और उत्पादों के इस्तेमाल को लेकर ज्यादा सतर्क व जागरुक हो रहे हैं। वो अपने शिशुओं को सही पोषण देने के साथ कैमिकल के मामले में सुरक्षित उत्पाद तलाशते हैं। इसलिए हमारा मानना है कि नया बेबी मसाज़ ऑयल - कोकोनट आज के अभिभावकों को बहुत पसंद आएगा। इस नए ऑयल के लॉन्च के साथ हम अभिभावकों को ऑल-इन-वन समाधान प्रदान करना चाहते हैं, जिसमें उन्हें अपने शिशुओं के लिए एक साफ-सुथरा अवक्षेप रहित विकल्प मिले।''

डॉ. प्रतिभा बैबशेट, आयुर्वेद विशेषज्ञ, आरएंडडी, हिमालया वैलनेस कंपनी ने कहा, ''कोकोनट रूखी-सूखी स्किन को नमी प्रदान कर मुलायम बनाता है, और स्किन के बैरियर फंक्शन में सुधार लाता है। कोकोनट ऑयल पारंपरिक रूप से शरीर की शक्ति में सुधार लाता है और स्किन को सेहतमंद बनाकर रखता है। शुद्ध कोकोनट ऑयल से नियमित मालिश नवजात शिशुओं की स्किन की शक्ति बढ़ाती है। साथ ही, ओलीव ऑयल और एलो वेरा स्किन को पोषण प्रदान कर मुलायम बनाते हैं और नमी प्रदान करते हैं। वेटिवर ठंडक देकर आराम प्रदान करता है। इसके अलावा, विंटर चैरी और कंट्री मैलो जैसी औषधियाँ पेशियों की टोनिंग में सुधार लाकर पेशियों को शक्ति प्रदान करती हैं।''

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-22 142 11, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)